mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-294 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 अक्टूबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पुणे टेस्ट खेलेंगे...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

अजित गुट की पहली लिस्ट, 38 कैंडीडेट के नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को एनसीपी अजित पवार गुट ने पहली लिस्ट जारी की। इसमें 38 कैंडीडेट्स के नाम हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार बारामती से चुनाव लड़ेंगे। यह बारामती लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। बारामती लोकसभा सीट शरद पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से इस बार उनकी बेटी सुप्रिया सुले जीती थीं।

सुप्रिया ने लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को हराया था। इससे पहले मंगलवार देर रात शिवसेना (शिंदे गुट) ने 45 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोपड़ी पाचपाखाडी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मंत्री उदय सामंत को रत्नागिरी से टिकट दिया गया है। महायुति ने अब तक 182 नाम की घोषणा की है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सुरक्षा के लिए ममता सरकार ने बनाई टास्क फोर्स

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने मंगलवार को राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है, जो राज्य में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सर्विस की क्वालिटी में भी सुधार

करेगी। सरकार ने एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से इस टास्क फोर्स के गठन का वादा किया था। चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत इस टास्क फोर्स के अध्यक्ष होंगे। होम सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती, राजीव कुमार, एनएस निगम और मनोज वर्मा इसका हिस्सा होंगे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर

लॉरेंस के संपर्क में थे आरोपी, हत्या से पहले की प्रैक्टिस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल शूटरों ने उन पर हमला करने से पहले कम से कम पांच बार शूटिंग की प्रैक्टिस की थी। मुंबई पुलिस ने बताया कि शूटरों ने करजत-खोपोली रोड के पास एक जंगल में निशानेबाजी का अभ्यास भी किया था। पुलिस के मुताबिक, शूटरों ने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाने से पहले रायगढ़ जिले में एक झरने के पास पेड़ पर गोली चलाने की प्रैक्टिस की थी। आरोपियों ने प्रैक्टिस के दौरान पेड़ पर पांच से दस गोलियां चलाईं। ये प्रैक्टिस शूटर्स ने इस साल सितंबर में की थी। 12 अक्टूबर की रात को बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली है।

हम जंग नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी चाहते हैं:मोदी

पीएम मोदी ने बोले-सभी चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है ब्रिक्स

मोदी ने कहा-विविधता व मानवता में विश्वास ही हमारी ताकत है

कजान (एजेंसी)। रूस के कजान शहर में ब्रिक्स समिट का बुधवार को दूसरा दिन है। पीएम मोदी बुधवार को दो मीटिंग में शामिल हुए। उन्होंने कहा,ब्रिक्स देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक साथ लड़ना होगा। इस पर दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूएनएससी में रिफॉर्म करना जरूरी है। एक अन्य स्पीच में पीएम ने कहा, ब्रिक्स नए स्वरूप में विश्व की 40 फीसदी मानवता और लगभग 30 फीसदी इकोनॉमी का प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 2 दशक में संगठन ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि ब्रिक्स वैश्विक चुनौतियों के लिए और अधिक प्रभावी माध्यम बनकर उभरेगा। पीएम ने कहा कि हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं और जिस तरह हमने मिलकर कोविड जैसी चुनौती को परास्त किया। उसी तरह हम भावी पीढ़ी के सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारत में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को तेजी से बढ़ाने के लिए हमने गतिशक्ति पोर्टल बनाया है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए इंटीग्रेटेड प्लानिंग और इंप्लीमेंटेशन में मदद मिली है और लॉजिस्टिक कॉस्ट कम हुई है। हमारे अनुभव आप सभी के साथ साझा करने में हमें खुशी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ब्रिक्स के तहत सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पीएम ने कहा कि विविधता और मानवता में हमारा विश्वास ही हमारी ताकत है और यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के समृद्ध और मजबूत भविष्य को सार्थक आकार देगा।

बिहार में हमारे रहते कैसे करा देंगे दंगा फसाद

पटना (एजेंसी)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। लालू ने गिरिराज पर आरोप लगाया कि वो इस तरह की बातें करने के आदी हैं। एनडीए राज और नीतिश के राज

में कोई फर्क नहीं है। लालू ने कहा कि उनके रहते कोई भी दंगा-फसाद नहीं करा सकता, क्योंकि हिंदू और मुस्लिम सब एक हैं। उन्होंने बिहार में हो रही घटनाओं के लिए नीतिश कुमार को जिम्मेदार ठहराया। लालू ने यह बातें बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहीं।

पराली जलाने पर हरियाणा-पंजाब सरकार को 'सुप्रीम' चेतावनी

- कहा-सख्त आदेश देने को मजबूर न करें,जुर्माना कम लगाया,जानकारी भी गलत दी

हिसार (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। पंजाब और हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी कोर्ट में पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट ने गलत जानकारी देने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। हरियाणा सरकार की कार्रवाई से भी सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट नजर नहीं आया। कोर्ट ने कहा कि हमें सख्त आदेश देने के लिए मजबूर न करें। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस ए अमानुल्लाह और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकार की खेतों में पराली जलाने से रोकने की कोशिशों को महज दिखावा बताया। कोर्ट ने कहा कि अगर ये सरकारें वास्तव में

कानून लागू करने में रुचि रखती हैं तो कम से कम एक मुकदमा तो चलना ही चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकारों को याद दिलाया जाए कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। प्रदूषण में रहना अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत नियम बनाने और जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए केंद्र सरकार को दो हफ्ते का समय दिया।

माफिया की तरह काम कर रहा है वक्फ बोर्ड

भ्रष्टाचार का बना अड्डा,आरएसएस नेता का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर इन दिनों देश में अच्छी-खासी बहस चल रही है। ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठक में तो इस बिल को लेकर टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी और बीजेपी के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच जमकर बहस भी हो चुकी है। इस बिल को अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था लेकिन उस दौरान तमाम विपक्षी दलों ने इसका पुरजोर विरोध किया था। विपक्षी दलों का कहना है कि यह बिल बंटवारा करने वाला है और संविधान पर हमला है। देश भर में कई मुस्लिम संगठनों ने भी इस बिल का खुलकर विरोध किया है। मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि इस बिल के जरिए केंद्र सरकार मुस्लिम वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। न सिर्फ विपक्षी दलों बल्कि एनडीए में शामिल बीजेपी के

सहयोगी दलों जैसे टीडीपी और जेडीयू ने भी इस बिल को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि इस मामले में सभी पक्षों के साथ चर्चा की जानी चाहिए। वक्फ संशोधन बिल में कई बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। इसमें राज्य सरकारों को किसी गैर मुस्लिम को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने और कम से कम दो गैर मुस्लिम सदस्यों को राज्यों के वक्फ बोर्ड में नियुक्त करने की बात कही गई है।

इसमें यह भी प्रस्ताव किया गया है कि जिलाधिकारी के पास यह करने का अधिकार है कि कोई संपत्ति वक्फ की संपत्ति है या फिर सरकारी संपत्ति। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने इस बिल का समर्थन किया है। मंच के संयोजक इंद्रेश कुमार ने कहा,इस देश में जमीन के मामले में किसी भी विवाद का फैसला अदालतें करती हैं लेकिन जब बात वक्फ संपत्तियों को लेकर विवाद की आती है तो वक्फ बोर्ड ही ऐसे मामलों में फैसला करता है।

बिहार में 'डेंगू' ने डराया हर ओर मच गया हड़कंप

- एक दिन में ही 234 लोग हो गए पॉजिटिव, छाई है दहशत
- दीवाली-छठ से पहले वायरस ने पसारे पांव,प्रशासन सतर्क

पटना (एजेंसी)। बिहार में डेंगू मरीजों की लगातार बढ़ रही संख्या ने त्योहार के इस मौसम में लोगों में डर बैठा दिया है। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन हालांकि डेंगू से बचने को लेकर सभी तरह की सावधानी बरतने में जुटी है। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इस साल प्रदेश में अब तक डेंगू के 5,888 मरीज सामने आ चुके हैं, जिसमे सिर्फ पटना के 2,920 लोग शामिल हैं। बिहार में सिर्फ मंगलवार को एक दिन में सबसे अधिक 234 डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है। इधर,

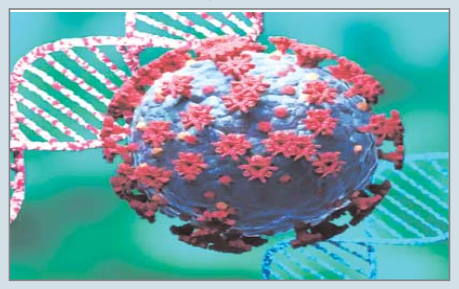

सरकारी अस्पतालों में डेंगू के संभावित मरीजों की संख्या जांच के लिए पहुंच रही है। कई डेंगू मरीजों का इलाज घर पर ही चल रहा है। आंकडों के अनुसार, 14 अक्टूबर को राज्य में 130 डेंगू मरीजों की पहचान की गई थी जबकि 15 अक्टूबर को 146 डेंगू से पीड़ित लोग सामने आए थे। 18 और 19 अक्टूबर को 198 -198 मरीजों की पहचान की गई थी। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से निबटने के लिए सभी जिलों को अलर्ट किया है। बताया गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 30 बेड, जिला अस्पतालों में पांच बेड, प्राथमिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी दो -दो बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित रखने के लिए कहा गया है।

वायनाड लोकसभा सीट

रोड शो के बाद प्रियंका गांधी ने भरा नामांकन

- शक्ति प्रदर्शन से दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो के बाद वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ भाई राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। प्रियंका ने नामांकन से पहले कहा- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए

1989 में कैंपेन किया था। तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं। राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे। प्रियंका गांधी पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है।

बेंगलुरु में बारिश से 7 मंजिला इमारत गिरी, 5 लोगों की मौत

डिप्टी सीएम बोले-प्रकृति को नहीं रोक सकते,जेडीएस बोली-कांग्रेस ने दुर्दशा कर डाली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भारी बारिश के कारण बेंगलुरु में मंगलवार को एक निर्माणाधीन 7 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। मलबे के अंदर 21 लोग फंसे हुए थे, जिनमें से 13 लोगों को बचा लिया गया। वहीं, 3 लोग अभी भी मलबे में दबे हैं। एनडीआरएफ की टीम ने मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। मलबा हटाने के लिए टीम ने बड़ी मशीनें भी मंगवाई हैं। कर्नाटक में इस मुद्दे पर सियायत

शुरू हो गई है।

विपक्षी दल जेडीएस ने कांग्रेस पर बेंगलुरु की दुर्दशा करने का आरोप लगाया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा आपने देखा होगा कि दुबई और दिल्ली में क्या हो रहा है। देश के कई हिस्सों में ऐसी ही स्थिति है। हम प्रकृति को रोक नहीं सकते, लेकिन हम मैनेज कर रहे हैं। डिप्टी सीएम बोले- बिल्डिंग अवैध रूप से बनाई जा रही थी कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मंगलवार रात को घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने ही जानकारी दी थी की मलबे में 21 लोग फंसे हुए थे। उन्होंने कहा कि इमारत 60/40 जमीन पर अवैध रूप से बनाई जा रही थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गैंगस्टर अमन साहू लड़ेगा बड़कागांव से चुनाव!

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है खास कनेशन,खरीदा नामांकन फॉर्म

रामगढ़ (एजेंसी)। कुख्यात गैंगस्टर और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कनेक्शन का आरोपी अमन साहू झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगा। बड़कागांव से कांग्रेस की प्रत्याशी अंबा प्रसाद के खिलाफ अमन साहू चुनाव लड़ेगा। अमन साहू इन दिनों छत्तीसगढ़ पुलिस की गिरफ्त में है और वो जेल से ही चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। बड़कागांव विधानसभा सीट से गैंगसटर अमन साहू की ओर से पर्चा दाखिल करने के लिए बुधवार को नामांकन फॉर्म खरीदा गया। अमन साहू के नाम पर अधिवक्ता विधान चंद्र और संजय घोष ने नामांकन पर्चा खरीदा। नामांकन फार्म खरीदने के दौरान अमन साहू की मां और जीजा भी मौजूद थे। रांची के एक छोटे से गांव मलबे के रहने वाले अमन साहू के खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। जानकारों का कहना है कि अमन पहले एक हार्डकोर माओवादी था।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले मणिपुर में सीएम बदलने की चर्चा

2 दिन में भाजपा घोषणा कर सकती है, 19 विधायकों ने पीएम से की थी मांग

इम्फाल (एजेंसी)। आखिर 540 दिन की अशांति के बाद मणिपुर में सरकार का नेतृत्व बदलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चर्चा है कि महाराष्ट्र में चुनाव अभियान शुरू होने से पहले भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मणिपुर में लीडरशिप बदलने का फैसला ले सकता है। वर्तमान मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह को लेकर मैतेई विधायक दो खेमों में बंट गए हैं। हाल ही में 19 भाजपा विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। उसी के बाद इंफाल से लेकर दिल्ली तक कार्यवाही शुरू हो चुकी है। राज्य में भाजपा के 32 विधायक हैं, इन्हीं में से 19 केंद्रीय नेतृत्व को स्पष्ट कर चुके हैं कि

बीरेन को हटाए बिना शांति नहीं आ सकती। पार्टी नेतृत्व ने इसे गंभीरता से लिया है और बीरेन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी को बुलाया है। दोनों अभी दिल्ली में हैं। अगले दो-तीन दिन में फैसला हो सकता है। अगले सीएम के लिए 4 नामों पर चर्चा हो रही है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह का नाम सबसे ऊपर है। पीएम को 6 पेज की जो चिट्ठी लिखी गई थी, उसमें विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत के हस्ताक्षर सबसे ऊपर हैं।

इन पर सभी 19 विधायक राजी हुए थे। मणिपुर विधानसभा के एक विधायक ने बताया कि सभी 19 विधायक हरियाणा चुनाव से पहले पीएम को चिट्ठी लिखने वाले थे, लेकिन पीएमओ में दखल रखने वाले एक नेता ने उन्हें रुकने के लिए कहा। इसके बाद 15 अक्टूबर को जब गृह मंत्रालय ने कुकी, नगा और मैतेई विधायकों को बातचीत के लिए बुलाया। इस 1 घंटा 50 मिनट की मुलाकात में से 1 घंटा अकेले कुकी विधायकों को दिया गया। कुकी विधायकों ने शांति के लिए पहली शर्त बीरेन सिंह को हटाने की रखी। जब मैतेई विधायकों से मंत्रालय के अफसरों ने लीडरशिप बदलने के बारे में पूछा तो किसी ने भी मना नहीं किया। लिहाजा, पार्टी नेतृत्व इस दिशा में आगे बढ़ गया। दिल्ली से विधायकों के इंफाल लौटते ही जिरिबाम में हिंसा हो गई। विधायकों ने पीएम को चिट्ठी भेज दी, जिसके दो पेज लीक हो गए।

संक्षिप्त समाचार

मनके निर्माण, गोबर शिल्प परम्परा पर कार्यशाला 23 से 25 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल द्वारा डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान भोपाल और अश्वनी शोध संस्थान महिदपुर उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन हो रहा है। इसका विषय प्राचीन मनके (बीट्स) की प्रदर्शनी, मनके निर्माण तथा गोबर शिल्प परम्परा पर कार्यशाला और युगों-युगों मनके'' है। व्याख्यान का शुभारंभ 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स में होगा। संयुक्त संचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय डॉ. पूजा शुक्ला ने बताया कि कार्यशाला में मनके एवं गोबर-शिल्प विक्रय के लिये उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी एवं व्याख्यान से विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी विद्यार्थियों, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जिज्ञासु प्राचीन मनके निर्माण विधा और गोबर शिल्प परम्परा से परिचित हो सकेंगे। डॉ. शुक्ला ने बताया कि 23 से 25 अक्टूबर को तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों को पंजीयन के लिये लिंक है। कार्यशाला में सहभागिता के लिये संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल तथा डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान, राज्य संग्रहालय परिसर श्यामला हिल्स भोपाल में कार्यालय समय में आवेदन-पत्र जमा किये जायेंगे।

पश्चिम म.प्र. में जारी वित्तीय वर्ष में 1568 करोड़ यूनिट बिजली वितरित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र के इंदौर एवं उज्जैन राजस्व संभागीय क्षेत्र के सभी 15 जिलों में राज्य शासन के आदेशानुसार गुणवत्ता के साथ बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। शासन के अनुसार कृषि क्षेत्र के लिए दैनिक दस घंटे एवं अन्य सभी क्षेत्र के लिए चौबीस घंटे आपूर्ति व्यवस्था लागू हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 1568 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति हो चुकी है। समान अवधि में गत वर्ष आपूर्ति 1494 करोड़ यूनिट थी। ज्यादा बिजली आपूर्ति इंदौर शहर वृत्त एवं इंदौर ग्रामीण वृत्त के अधीन हुआ है। इंदौर वृत्त के अंतर्गत करीब 232 करोड़ यूनिट बिजली वितरित हुई है। ग्रामीण वृत्त सीमा में 269 करोड़ यूनिट आपूर्ति हुई। उज्जैन वृत्त में 148 करोड़ यूनिट, खरगोन में 141 करोड़ यूनिट, देवास में 130 करोड़ यूनिट धार वृत्त में 110 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति हुई है। इसके अलावा अन्य वृत्त क्षेत्र में 23 करोड़ से 86 करोड़ यूनिट की आपूर्ति जारी वित्तीय वर्ष में 21 अक्टूबर की अवधि में हुई है। जिले/सर्कल में अधीक्षण यंत्री एवं कंपनी स्तर पर कार्यपालक निदेशक आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग करते हैं, जहां भी तकनीकी कठिनाई आती है, वहां उच्चदाब लाइन प्रभारी एवं निम्न दाब लाइन प्रभारी समय पर समाधान करते हैं।

मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन से 12 हजार से अधिक को मिलेगी नौकरियाँ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 84 हजार 659 आंगनवाड़ी केन्द्र और 12 हजार 670 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित हैं। प्रदेश में संचालित मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों का पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्रों के रूप में उन्नयन किये जाने का निर्णय मंत्रि-परिषद ने लिया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने इस सौगात के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना है। महिला-बाल विकास मंत्रालय द्वारा मई 2023 में आंगनवाड़ी सेवाएं अंतर्गत संचालित सभी मिनी आंनगवाड़ी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्रों में उन्नयन किये जाने का निर्णय लिया गया था। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन की आवश्यकता इसलिये थी कि आंगनवाड़ी केन्द्र में 6 वर्ष के बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के लिये शाला पूर्व शिक्षा तथा कुपोषण निवारण के नवीन घटकों के दैनिक क्रियान्वयन के कारण मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पर अतिरिक्त कार्य दायित्व के कारण आंगनवाड़ी सहायिकाओं की आवश्यकता भी जताई गई। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों में एक मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का प्रावधान था। अब इन केन्द्रों के उन्नयन के पश्चात मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के स्थान पर एक पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एक पद आंगनवाड़ी सहायिका का होगा। इसके अतिरिक्त उन्नयित 25 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एक पर्यवेक्षक के पद का प्रावधान है। इससे प्रदेश की कुल आंगनवाड़ी संख्या अनुसार पर्यवेक्षकों के 476 नवीन पद, 12 हजार 670 आंगनवाड़ी सहायिका सहित कुल 13 हजार 146 नवीन पद स्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है।

राज्यपाल से अंडर-17 राष्ट्रीय उपविजेता गर्ल्स फ़ुटबॉल टीम ने की शिष्टाचार भेंट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से CBSC बोर्ड की अंडर - 17 राष्ट्रीय उपविजेता गर्ल्स फुटबॉल टीम ने राजभवन के बैंक्वेट हॉल में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने उपविजेता टीम की कप्तान यति शर्मा के नेतृत्व में सभी सदस्यों से चर्चा कर परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि बेटियों की उपलब्धि पर हम सभी को गर्व है। उन्होंने काह कि जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहने और उपलब्धियों से अपने परिवार, माता-पिता स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन करें। विदित हो कि सीबीएससी बोर्ड की अण्डर-17 गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता का फ़ाइनल मैच चेन्नई में खेला गया। टूर्नामेंट में भारत की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री रोनाल्ड एम. वॉन, सेंट जोसफ़ भी उपस्थित रहे।

नर तेंदुए शावक 'वीर' की हुई मृत्यु

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि छिंदवाड़ा वन मण्डल से 3 माह के नर तेंदुआ शावक 'वीर' को रेस्क्यू कर 6 फरवरी, 2023 को उपचार के लिये वन विहार लाया गया था। नर तेंदुए शावक 'वीर' की गत दिवस मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि नर तेंदुआ शावक अत्यंत कमजोर और चलने-फिरने में असमर्थ था। उसका पिछला हिस्सा काम नहीं कर रहा था। संचालक वन विहार ने बताया कि नर तेंदुआ शावक का वन्य-प्राणी चिकित्सक वन विहार डॉ. अतुल गुप्ता द्वारा विशेषज्ञों से परामर्श लेकर सतत उपचार किया गया। इसके बाद भी उसके आंतरिक अंगों में कमजोरी के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ था तथा उसमें अपेक्षित सुधार भी परिलक्षित नहीं हो रहा था। उन्होंने बताया कि मृत नर तेंदुआ शावक का पोस्टमार्टम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के वन्य-प्राणी चिकित्सक दल डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. हमजा नदीम और वाइल्ड लाइफ एसओएस वन विहार के वन्य-प्राणी चिकित्सक डॉ. रजत कुलकर्णी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

मृत शावक के सेम्पल एकत्रित कर परीक्षण के लिये स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हेल्थ जबलपुर एवं डीआई लैब भोपाल भोपाल में भेजे गये हैं।

गुणवत्ता के साथ एवं समय पर कार्य पूर्ण करें-राज्यमंत्री बागरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास व डिण्डोरी जिले की प्रभारी राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने जिले में जल जीवन मिशन में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम के अधिकारियों से डिंडोरी, करंजिया और शहपुरा-मेहंदवानी समूह परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजनाओं में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक में राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने परियोजनाओं में घरेलू नल कनेक्शन की स्थिति तथा पीएम जनमन योजना के तहत पिछड़े इलाकों में पेयजल उपलब्ध कराने के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पीएम उन्नत योजना में जनजाति क्षेत्रों में प्रस्तावित पेयजल योजनाओं पर भी चर्चा की और निर्देश दिए कि डीपीआर तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि कोई भी घर जल आपूर्ति से वंचित न रहे। राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे परियोजनाओं में गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें।

आयुर्वेद, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग-आयुष मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुर्वेद यानि भारत और भारत यानि आयुर्वेद; आयुर्वेद भारत की अपनी चिकित्सा पद्धति है और विश्वमंच पर भारत की पहचान भी है। भारत का हर क्षेत्र में अपना समृद्ध और पुरातन ज्ञान है। आयुर्वेद, जीवन पद्धति से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग है। विश्व मंच पर आयुर्वेद को महत्व दिया जा रहा है, हमें अपनी चिकित्सा पद्धति पर विश्वास का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को 9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद संस्थान के रजत जयंती सभागार में वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार विषय पर आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्व के विगत 9 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। विश्व के 10 और देशों ने भगवान धन्वंतरि जी की जयंती मनाना आरंभ कर दिया है। हमारी विचारधारा, संस्कृति, ज्ञान और चिकित्सा पद्धति को विश्वमंच पर विश्वास प्राप्त हो रहा है। श्री परमार ने कहा कि विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी भाषा और अपने ज्ञान के आधार पर अपने देश के विकास की नींव रखी है। भारतीय समाज की जीवन पद्धति, वैज्ञानिक आधार पर स्थापित जीवन पद्धति थी। हमारे देश का ज्ञान सदियों से सर्वश्रेष्ठ था, इसलिए भारत विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। हमें भी अपने पूर्वजों के ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत के पुनरुत्थान एवं नवनिर्माण में सहभागिता करनी होगी। श्री परमार ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में रसोई, आयुर्वेद से समृद्ध है। भारतीय ग्रामीण परिवेश की रसोई में उपलब्ध मसाले, आयुर्वेद के अनुसंधान एवं शोध के अनूठे उदाहरण हैं। आज भी ग्रामीण परिवेश के साधारण व्यक्ति भी वनस्पति का ज्ञान रखता है। यह व्यवस्था शोध एवं अनुसंधान के आधार पर जनसामान्य के मध्य स्थापित व्यवस्था है।

मिसरोद से आईएसबीटी तक सीसी सर्विस रोड बनेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने निवास कार्यालय पर गोविंदपुरा क्षेत्र की सड़कों के निर्माण की प्रगति और अतिवृष्टि से जर्जर हुए मार्गों की मरम्मत के संबंध में समीक्षा की। भोपाल-नर्मदापुरम रोड पर मिसरोद से आईएसबीटी तक के सर्विस रोड को सीमेंट-कांक्रीट से बनाया जायेगा। जे.के. रोड पर हो रहे निर्माण कार्य को इसी वर्ष दिसम्बर अंत तक पूरा किया जायेगा। निर्माण एजेंसियों ने यह जानकारी समीक्षा बैठक में दी। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्षेत्र में हो रहे सड़कों के निर्माण कार्य और मरम्मत कार्यों की प्रगति की जानकारी के लिये वह स्वयं निरीक्षण करेंगी। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में सड़कों के निर्माण में एमपीईबी, पीएचई, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम सहित सभी विभागों की भूमिका होती है। ऐसे में इन विभागों को परस्पर समन्वयपूर्वक कार्य करना चाहिये। उन्होंने एमजेएम विद्यालय से खजूरी बायपास मार्ग के निर्माण में कार्य की धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। श्रीमती गौर ने कहा कि पिपलानी से खजूरी कला बायपास के निर्माण की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। उन्होंने जे.के. रोड के निर्माण की क्वालिटी पर सतत निगरानी रखने और निर्माण कार्य को इसी वर्ष दिसम्बर अंत तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिये। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के वर्ष 2024-25 के बजट में स्वीकृत बावड़िया कला में पल्लवी नगर से ऋषि नगर तक, जुबली गेट बीएचईएल से अयोध्या बायपास और रायसेन रोड से सोनागिरी, कल्पना नगर तक सड़कों के निर्माण की कार्यवाही के संबंध में भी चर्चा की।

नागरिक आपूर्ति निगम के संचालक मंडल की बैठक में खाद्य मंत्री ने अधिकारियों को दी हिदायत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने नागरिक आपूर्ति निगम के अफसरों को सख्त हिदायत दी है कि वे अपनी जबावदेही को समझें और अपने दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। जनहित से जुड़े किसी भी मामले में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई तनिक गडबड़ी भी सहन नहीं की जाएगी। इन मामलों में अधिकारियों-कर्मचारियों की संलिप्तिता सामने आने पर दोषी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री राजपूत मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड भोपाल की संचालक मंडल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने मैदानी और मुख्यालय स्तर पर पदस्थ नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी-कर्मचारियों को दो टूक कहा कि निगम द्वारा व्यापक स्तर पर उपार्जन की कार्रवाई के साथ अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन भी किया जा रहा है। इसमें कहीं कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिये। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम को लाभ में लाने के लिये ठोस रणनीति बनायें। इसके लिये जरूरी हो तो अन्य राज्यों की पॉलिसी का भी अध्ययन करें। संचालक मंडल की बैठक में तय किया गया कि सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए संबंधित कंप्यूटर ऑपरेटरों को 7 माह की समय-सीमा दी जाये। जिन कम्प्यूटर ऑपरेटरों द्वारा सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की गयी है, उन्हें अभी उच्च श्रमिक का वेतन दिया जाएगा। परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उन्हें 17 हजार 500 का वेतन दिया जाएगा। इस निर्णय से 400 से ज्यादा कंप्यूटर ऑपरेटरों को लाभ मिलेगा।

संचालक मंडल की बैठक में नॉन के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को 2023- 24 के उपार्जन कार्य हेतु सक्रिय योगदान के लिए 1 माह के मूल वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जाने का निर्णय लिया गया है। नॉन के लगभग 800 अधिकारी-कर्मचारियों को यह लाभ प्राप्त होगा। इसके लिए 3 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। संचालक मंडल की बैठक में जबलपुर में पदस्थ प्रबंधक वित्त अरविंद नगरारे को गंभीर वित्तीय अनियमितता और नियम से परे हटकर परिवहनकर्ता को 52 लाख रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाते के मामले में दोषी पाये जाने पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जापान के इंडिया मेले में बाग प्रिंट की रही धूम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जापान में आयोजित इंडिया मेले-2024 में मध्यप्रदेश के वस्त्रों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली बाग प्रिंट ने सभी का ध्यान न केवल अपनी ओर आकृष्ट किया, बल्कि अपनी विशेष छाप भी छोड़ी। मोहम्मद यूसुफ खत्री, जो बाग प्रिंट हस्तशिल्प के पुश्तैनी कलाकार हैं, ने जापान के विभिन्न शहरों में बाग प्रिंट की मास्टर क्लासेस और कारीगरी का प्रदर्शन किया। जापान में भारतीय राजदूत श्री सिबी जॉर्ज और वस्त्र मंत्रालय की विकास आयुक्त श्रीमती अमृत राज ने भी उनकी कला को सराहा। मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की परंपरागत बाग प्रिंट हस्तकला ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। शिल्प गुरु और गोल्ड मेडलिस्ट मोहम्मद यूसुफ खत्री ने हाल ही में जापान में आयोजित कई कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश की परंपरागत बाग प्रिंट की कला का प्रदर्शन किया, जिसने जापान के लोगों का दिल जीत लिया। 12 से 20 अक्टूबर 2024 के बीच ओसाका, क्योटो और साकाई जैसे प्रमुख शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने जापान के लोगों को इस कला की बारीकियां सिखाईं। ओसाका से लगभग 40 किलोमीटर दूर कोबे में आयोजित 'इंडिया मेला' में तीन दिनों तक बाग प्रिंट कला का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बच्चों और पर्यटकों ने बाग प्रिंट के गुर सीखे और गहरी दिलचस्पी दिखाई। जापान के लोगों ने बाग प्रिंट कला को न केवल पसंद किया, बल्कि इसके प्रति गहरी रुचि भी दिखाई। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। खत्री ने 16 अक्टूबर को वाकायामा शहर के म्यूज़ियम ऑफ मॉर्डन आर्ट में जाकर फाइन आर्ट के विद्यार्थियों और डेलीगेट्स को बाग प्रिंट की विशेषताओं से अवगत कराया। इसके बाद 17 अक्टूबर को क्योटो के कोकोका क्योटो इंटरनेशनल कम्युनिटी हाउस में भी उन्होंने बाग प्रिंट की मास्टर क्लास ली। 20 अक्टूबर को साकाई शहर के मीना साकाई पार्क में उन्होंने स्थानीय लोगों को इस कला का प्रशिक्षण दिया, जिसे काफी सराहना मिली। प्रशिक्षण के दौरान लोगों ने बाग प्रिंट की तकनीक से रूमाल भी बनाए। 15 अक्टूबर को भारत के प्रधान कोंसलावास, ओसाका-कोबे, जापान के महावाणिज्य दूत श्री चंद्रू अप्पार के निवास पर 'इंडिया भोज' का आयोजन किया गया।

भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय की सचिव ने की जल शक्ति अभियान की समीक्षा

हर घर तक नल से जल की पहुंच सुनिश्चित हो

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय की सचिव गरिमा श्रीवास्तव द्वारा जल शक्ति अभियान कैच द रेन की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। श्रीवास्तव 23 से 25 अक्टूबर 2024 तक जिले के प्रवास के दौरान जल संरक्षण तथा जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में किए गए विभिन्न कार्यों का निरीक्षण करेंगी। साथ ही वह हितग्राहियों के साथ संवाद भी करेंगी।

सचिव श्रीवास्तव ने कहा कि हर घर तक नल से जल की पहुंच सुनिश्चित करना भारत सरकार की प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। यह जल शक्ति से नारी शक्ति की अवधारणा को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास है। घर -घर तक नल से जल पहुंचने से महिलाओं के समय और ऊर्जा की बचत होगी। महिलाएं अपनी ऊर्जा अन्य आर्थिक गतिविधियों में लगा पाएंगी जिससे वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनेगी।

उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान में स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जिले में जो भी कार्य किया जा रहे हैं उसकी ऑनलाइन फीडिंग अनिवार्य रूप से करे जिससे कि जिले की रैंकिंग देखी जा सके। जल शक्ति अभियान में सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। विभाग प्रमुख आपसी समन्वय रखें जिससे शासन की मंशानुसार कार्य किया जा सके।

जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों के विषय में चर्चा करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण तथा पानी के अपव्यय को रोकना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्षा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा अधिक से अधिक मात्रा में वर्षा के जल के रोकने के प्रयास किए जाएं।

कलेक्टर सोमवंशी द्वारा सभी विभागों को समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने जिले में पुष्कर धरोहर योजना तथा अमृत सरोवर योजना अंतर्गत जिले में किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल जल प्रदाय योजना तथा समूह जल प्रदाय योजना के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जिले मे जल शक्ति से नारी शक्ति की ओर कार्य किया जा रहा है। अशोक शुक्ल परियोजना अधिकारी मनरेगा द्वारा जिले में हो रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई ।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में वितरित होने वाले मध्यान्ह की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। स्कूली बच्चों को पौष्टिक आहार देने के लिए बनाई गई महत्वाकाक्षी योजना मिड-डे मील में ही उन्हे शुद्ध खाना भी नहीं मिल रहा। ऐसे में स्पष्ट है कि यहा आने वाले छात्रों का स्वास्थ्य खतरे में है। हम खुलासा कर रहे है शहर में वितरित होने वाले मध्यान्ह भोजन का। जहां स्कूल आने वाले बच्चों को नियमित रूप से मिड-डे मील आहार दिया जाता है, लेकिन इसकी गुणवत्ता पर उठने वाले सवालों में कोई कमी नहीं आई है। भोजन में पाई जाने वाली कमियों को दूर करने का प्रयास तो दूर इसके निर्देशों का पालन करने में भी लापरवाही बरती जा रही है। शहरी क्षेत्र के स्कूलों में मिड-डे मील के आहार-चार्ट के अनुसार भोजन देना तो दूर उसके बारे में बच्चों को जानकारी भी दे रहे है। संस्थाएं और एजेसियां भी लापरवाह है। इन एजेंसियों के मिड-डे मील संचालक के साथ-साथ स्कूल के प्रभारी शिक्षक को भोजन की देखरेख और उसके स्वाद की परख की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। लेकिन यह प्रक्रिया प्रत्येक क्षेत्र में कारगर नहीं हो सकी है। स्कूल के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भले ही मिड-डे मील की शुरुआत की गई हो, लेकिन मौजूदा समय में इसकी हालत चिंतनीय है। भोजन के चार्ट का कई स्कूलों से गायब होना ही इसकी हकीकत बयां करता है। शहरी क्षेत्रों के स्कूलों से आहार चार्ट तो लटक रहा हैं। लेकिन चार्ट के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। आहार में गड़बड़ियों की घटना से यह स्पष्ट है कि इस बारे में नियमों के पालन और सुचारू व्यवस्था का स्कूलों में अभाव है।

पोषक तत्वों की कमी: मिड-डे मील आहार के माध्यम से हर हफ्ते बच्चों को अलग-अलग पोषण वाले आहार देने के नियमों के पालन में लापरवाही बरती जा रही है। इसके कारण बच्चों को स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहा है। बच्चों को अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों की लिस्ट के माध्यम से बच्चों में वसा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी को मात्रा को संतुलित रखना था। लेकिन इस कार्य में अब तक सफलता नहीं मिल सकी है।

समूह संचालक स्कूल प्रबंधन पर बनाते हैं दबाव: सरकारी स्कूलों में बंटने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता परखने मीडिया द्वारा शहर के कई प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में पहुंची। यहां स्वसमूह द्वारा पहुंचा गए भोजन व रोटी की कालिटी देखी। बच्चों व स्टाफसे इस संबंध में जानकारी ली। इस दौरान स्टाफ ने दबे स्वर में बताया कि वे पहले लिखित व मौखिक रूप से एमडीएम की गुणवत्ता को लेकर शिकायत कर चुके हैं। लेकिन गुणवत्ता में सुधार की वजाए हम पर ही शिकायत नकरने के लिए विभिन्न माध्यमों के जरिए दबाव डाला गया। यही कारण है कि अब स्टाफ ज्यादातर शिकायत करने से डरता है। स्टाफने खुलकर बताया कि यदि सब कुछ ठीक है तो प्रशासन के अधिकारी स्कूल आकर खुद खाना खाकर देख लें पूरी हकीकत सामने आ जाएगी।

जांच में सब मिलता है ओके कई बार शिकायतों के बाद अगर अधिकारी अपनी कुर्सी से हिलकर स्कूलों का निरीक्षण करने पहुंचते हैं तो सबसे पहले स्कूल में पदस्थ शिक्षक पर शिकायत का दबाव बनाते हैं कि आप शिकायत करें तो मैं समूह संचालक के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। अगर आप शिकायत नहीं करोगे तो मैं समूह संचालक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करूंगा और अंत में अधिकारी द्वारा बढ़िया क्वालिटी का मध्यान्ह बताकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेते हैं।

देवरी आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे कलेक्टर

गडबड़ी पर कार्यकर्ता पर कार्रवाई के निर्देश, राशन दुकान पर देखी व्यवस्थाएं

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बुधवार को जिले के जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत देवरी के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-3 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र के संचालन और बच्चों को वितरित किए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने राशन स्टॉक रजिस्टर का भी निरीक्षण किए। राशन स्टॉक का विधिवत जानकारी नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं: कलेक्टर ने ग्राम पंचायत देवरी के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रामीण कौशल्या बैगा और कोण बाई बैगा ने कलेक्टर को बताया कि राशन दुकान ग्राम देवरी से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जहां राशन लेने जाने पर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कलेक्टर से हर घर राशन योजना के अंतर्गत गांव में ही राशन मुहैया कराने की बात कही। जिस पर कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान देवरी के विक्रेता को सप्ताह में एक बार ग्रामीणों को हर घर राशन योजना के अंतर्गत घर पर ही राशन वितरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी का किया निरीक्षण: कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी का निरीक्षण किया। अक्टूबर एवं नवंबर माह के राशन भंडारण और वितरण के स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने नवंबर माह के राशन अलॉटमेंट की भी जानकारी राशन दुकान संचालक से जानी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चावल की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।

दूध डेयरी दुकानों के खाद्य पदार्थों का लिया गया सेंपल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शहर के लालता चौक स्थित गोपाल डेयरी एवं सब्जी मंडी स्थित हारून खोबा वाले की दुकान में खाद्य औषधि विभाग द्वारा छापा मार कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही खाद्य औषधि विभाग के निरीक्षक दिनेश लोधी द्वारा की गई है। उल्लेखनीय हैं कि त्यौहारों के दौरान दुकानदारों द्वारा मिलावटी मिठाइयों एवं अन्य खाद्य सामग्रियों की बिक्री को लेकर गत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के पालनार्थ अपर जिला दण्डाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया था कि जांच दल गठित कर जिला अंतर्गत समस्त दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर उपलब्ध समस्त खाद्य सामग्रियों की सैम्पलिंग की जावे एवं जांच पश्चात दोषी पाये जाने वाले संचालकों पर आवश्यक कार्यवाही करते हुये प्रतिवेदन कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। खास बात यह है नगर में खाद्य औषधि विभाग द्वाराकी गई कार्यवाही की भनक लगते ही इस करोबार से जुड़े कारोबारियोंमें हड़कंप मच गया है।

बड़ी मछलियों पर नहीं पड़ रही नजर: सोमवार को खाद्य औषधि विभाग के निरीक्षक दिनेश लोधी द्वारा दो डेयरी दुकानों पर छापा मारकर कार्यवाही की गई है, इसका असर यह रहा कि शहर में मिलावट खोरों की सांसे फूलने लगी है, लेकिन इस कार्यवाही पर सवाल यह उठ रहा हैं कि लालता चौक में निरीक्षण करने पहुंचें निरीक्षक ने सिर्फएक दुकान का सेंपल लिया है जबकि यहां करीब आधा दर्जन डेयरी संचालित हैं। इसी तरह होटलों में भी दीपावाली की तैयारी को लेकर नकली मावा सहित अन्य खाद्य पदार्थों का भंडारण शुरू कर दिया गया है, वहां यह जांच टीम अभी तक नहीं पहुंच सकी है।

भोपाल जांच के लिए जाएगा सेंपल: बताया गया है कि खाद्य औषधि विभाग के निरीक्षक दिनेश लोधी द्वारा शहर के दो डेयरी दुकानों में छापामार कार्रवाई की गई है जिसमें लालता चौक स्थित गोपाल डेयरी से गाय का दूधए पनीर एवं सफल मटर का सेंपल लिया गया है।

अनुपपूर की राजनगर खुली खदान में मौत का मामला

ब्लास्टिंग अधिकारी एके सिंह को किया सस्पेंड, गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर की राजनगर खुली खदान में डीजीएमएस के नियमों के विपरीत ब्लास्टिंग अधिकारी और खनन से जुड़ी कंपनी की मनमानी में हुई ठेका मजदूर अजय कोल की मौत के मामले में आखिरकार कॉलरी ने ब्लास्टिंग अधिकारी एके सिंह को तत्काल सस्पेंड कर दिया। दूसरी ओर रामनगर थाना ने ब्लास्टिंग अधिकारी को लापरवाह मानते हुए गैर इरादतन हत्या का आरोपी बनाते हुए अपराध दर्ज किया है। थाने में दर्ज किए मामले में पुलिस ने स्पष्ट किया कि घटना के दिन संबंधित अधिकारी ने मजदूरों से 11.15 बजे बताए स्थल पर बारूद अनलोड कराया और होल में बारूद भरवाने के उपरांत मजदूरों को सेफ जोन में भेज दिया। जबकि ब्लास्टिंग अधिकारी स्वयं असेफ जोन में वाहन पर बैठ अपने साथ वाहन चालक और पीछे की सीट पर मजदूर अजय कोल को बैठाया और फिर विस्फोट के आदेश दिए।

इसके बाद विस्फोट में एक पत्थर तेजी से उछाल कर वाहन के छत पर गिरा और छत तोड़ते हुए नीचे बैठे अजय कोल के सिर पर जा गिरा, जिसकी चोट से उसकी मौत हो गई। इस घटना में लापरवाही पाते हुए एके सिंह पिता राजेन्द्र सिंह निवासी सी/03 खोंगापानी थाना झगराखांड जिला एमसीबी छग के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस का मामला दर्ज किया है।

डीजीएमएस ने भी जांच में पाई लापरवाही: राजनगर ओसीएम की घटना के बाद जांच में पहुंची डीजीएमएस की टीम ने कॉलरी प्रबंधकों की लापरवाही का एक और खुलासा किया है, जहां प्रारंभिक जांच में ही ब्लास्टिंग के लिए निर्धारित किए गए समय से पूर्व कोयला खनन में विस्फोट किया गए था। इस पर डीजीएमएस ने कॉलरी मैनेजर दीपक बेंजामिन को नोटिस जारी करते हुए पूछा कि जब कोयला खदान में दोपहर 2 बजे बाद ब्लास्टिंग के प्रावधान है तो दोपहर 12 बजे कोयला खनन में ब्लास्ट कैसे किया गया?। जिसके बाद मंगलवार को दिनभर राजनगर ओसीएम में हड़कंप मचा रहा।

खदानों में तीन घंटे की होती है ब्लास्टिंग समयावधि: डीजीएमएस की टीम के जारी नोटिस में यह बात सामने आई है कि कोयला खदानों में कॉलरी अपनी मनमर्जी से ब्लास्ट नहीं कर सकता। प्रावधानों के अनुसार खदानों में कोयला के चट्टानों को तोड़ने दोपहर 2 बजे बाद और सूर्यास्त से पूर्व 5 बजे तक ब्लास्ट किए जा सकते हैं।

सरकारी व्यवस्थाओं में बदहाली

खुले में फेंका जा रहा है मेडिकल वेस्ट, अफसरों का दावा- सब कुछ ठीक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के जिला अस्पताल में कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका जा रहा है। जिसे आवारा मवेशी खा रहे हैं। बावजूद इसके जिला अस्पताल के सिविल सर्जन देवेंद्र सिंह का कहना है कि व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं, कहीं कोई कमी नहीं है। हालांकि जिला अस्पताल और ट्रामा सेंटर के पीछे मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका जाता है। यहां पर अस्पताल के पीछे एक छोटी सी बाउंड्री जैसा बनाया तो गया है लेकिन वह सामान्य कचरे के लिए है लेकिन इसमें मेडिकल वेस्ट भी फेंका जा रहा है।

इस बारे में जब जिला अस्पताल के सिविल सर्जन देवेंद्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बाकी व्यवस्थाओं के दुरुस्त होने का दावा किया लेकिन यह बात जरूर मानी की सफाई कर्मचारी कई बार आम कचरे के साथ मेडिकल वेस्ट भी ले जाते होंगे। उन्हें निर्देशित किया जाएगा और मैं खुद भी इस बारे में मॉनिटरिंग करुंगा।

इंसुलेटर में मेडिकल वेस्ट जलाने का है प्रावधान: मेडिकल वेस्ट को इंसुलेटर में जलाने का प्रावधान है। पड़ोसी जिले सतना में इंसुलेटर स्थापित है और बकायदा इसके लिए ठेकेदार को भी सरकार ने नियुक्त कर रखा है। जिसका काम है मेडिकल वेस्ट को अस्पतालों से कलेक्ट करना और इंसुलेटर पर ले जाकर जलाना।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में पंजा दरी कालीन ने किया जिले का प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। संभागीय मुख्यालय रीवा में पहली बार कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव में उद्योगों एवं उद्योगपतियों को आकर्षित करने के लिए रीवा संभाग की विशेषताओं पर आधारित प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थाओं द्वारा अपने उत्पादों एवं संस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रदर्शन किया गया। सरकारी संस्थाओं एमपीआईडीसी, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, दलित इंडियन चौंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा उद्योगों के लिए चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाएं, आयात-निर्यात पॉलिसी, जीएसटी शुल्क आदि जानकारी से अवगत कराया गया। प्रदर्शनी के दौरान स्वसहायता समूहों, निजी संस्थाओं तथा स्टार्टअप द्वारा अपने उत्पादों का कौशल प्रदर्शन किया गया।

कॉन्क्लेव में सीधी जिले के एक जिला एक उत्पाद में चयनित उत्पाद पंजा दरी कालीन द्वारा जिले का प्रतिनिधित्व किया गया। पंजा दरी का प्रदर्शन आदर्श स्वसहायता समूह एवं सलमा स्वसहायता समूह के माध्यम से किया गया। सीधी जिले का पंजा दरी अपने चटख रंग, सुंदर डिजाइन और कई वर्षों तक टिकाऊ रहने के लिए प्रसिद्व है। साथ ही उद्यानिकी विभाग सीधी के माध्यम से पीएमएफएमई योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाई का भी प्रदर्शन किया गया।

जिले में सम्पदा 2.0 से दस्तावेजों का पंजीयन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले में सम्पदा 2.0 से दस्तावेजों के पंजीयन किए जा रहे हैं। 22 अक्टूबर को सेवा प्रदाता अंजली शुक्ला व सुनीता गुप्ता द्वारा उपपंजीयक प्रकाश नारायण त्रिपाठी से दस्तावेजों का पंजीयन नए पोर्टल द्वारा करवाया गया रजिस्ट्री में क्रेता राकेश कुमार शुक्ला को उनके हस्ताक्षर करने के 05 मिनट उपरांत मोबाइल नम्बर व ई-मेल के माध्यम से रजिस्ट्री की डिजिटल प्रति प्राप्त हो गई।

जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल ने बताया कि सम्पदा 2.0 से सम्पति के पंजीयन अत्यंत सहज व सरल होने के साथ पंजीकृत दस्तावेज के आधार हस्ताक्षरित होने से सुरक्षित हैं। पक्षकारों का आधार आधारित ई-केवाईसी द्वारा पहचान स्थापित की जाती है तथा संपति की पहचान मूल विभागों की यूनिक आईडी के माध्यम से की जाती है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का बघेली लोक संस्कृति एवं परंपरागत नृत्यों से हुआ स्वागत

सीधी के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। संभागीय मुख्यालय रीवा में पहली बार कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का बघेलखण्ड के लोक कलाकारों द्वारा बघेली संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत का आकर्षण गुदुम नृत्य रहा। कार्यक्रम में प्रस्तुत लोक संगीत की गूंज से परिसर मंत्रमुग्ध हुआ।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद सीधी डॉ राजेश मिश्रा, सांसद रीवा जनार्दन मिश्रा, सांसद सतना गणेश सिंह, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एम एस सिकरवार सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के ग्राम बकबा मड़वास के लाल बहादुर घासी एवं दान बहादुर घासी के दल द्वारा गुदुम बाजा नृत्य की, ग्राम बकबा मड़वास के चंद्रभान सिंह एवं नरेंद्र सिंह के दल द्वारा सैला नृत्य की तथा ग्राम रामपुर तहसील गोपदबनास के राजभान साहू एवं शिवकरण यादव के दल द्वारा अहिराई नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। लोक कलाकारों की ऊर्जा से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने आगंतुकों को विन्ध्य की संस्कृति की झलक दिखाते हुए उनमें ऊर्जा का संचार किया।

जिले में निवेश प्रोत्साहन केंद्र का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। निवेशकों को निवेश परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में जरूरी सुविधायें, सहायता और सिंगल विंडो के जरिये सभी आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार सीधी जिले में निवेश प्रोत्साहन केंद्र का शुभारंभ कलेक्टर कार्यालय सीधी में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा किया गया।

कलेक्टर कहा कि निवेश प्रोत्साहन केंद्र की मदद से निवेशकों को परियोजनाएं स्थापित करने में सहूलियत होगी और यह क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। केंद्र सर्व सुविधायुक्त और सुसज्जित कक्ष में स्थापित किया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश में उद्योगपतियों एवं उद्यमियों के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कार्यक्रम रीवा में आयोजित किया गया है। जिले में कृषि आधारित तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की भी अच्छी संभावनाएं हैं। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र से पूरे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश से जुड़े सभी आयामों की जानकारी दी जायेगी जिससे निवेशकों का काम आसान होगा।

विचार

कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी

हरियाणा के चुनाव नतीजों ने एक बार फिर प्रमाणित किया है कि कांग्रेस पार्टी जातीय राजनीति में प्रवेश कर तो गई है लेकिन उसकी जटिलताओं को समझ नहीं पा रही है और अगर समझ रही है तो उससे निपटने के उपाय उसको नहीं सूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने अप्रैल 2023 से जाति जनगणना और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा जोर शोर से उठाया है और उसके बाद से हरियाणा चौथा राज्य था, जहां कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद हरियाणा में कांग्रेस की यह राजनीति विफल रही है। कह सकते हैं कि इस दौरान कांग्रेस कर्नाटक में चुनाव जीती और लोकसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। लेकिन अगर लोकसभा के नतीजों को भी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा, उसमें भी राहुल गांधी की जाति गणना कराने और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने के दांव का बहुत कम योगदान है। कांग्रेस को या तो दक्षिण भारत से सीटें मिली हैं या अन्य विपक्षी पार्टियों के साथ चतुराईपूर्ण गठबंधन की वजह से सीटें मिली हैं।

सवाल है कि कांग्रेस का जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने का दांव क्यों नहीं कामयाब हो रहा है? इसका मुख्य कारण यह है कि अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी की राजनीति मंडल के दौर से बहुत आगे बढ़ चुकी है और कांग्रेस नेतृत्व न तो उसके इतिहास को समझ रहा है और न उसकी जटिलताओं को समझ रहा है। कांग्रेस नेतृत्व की तीन गलतियां बहुत स्पष्ट हैं। पहली, वह अभी तक ओबीसी को एक होमोजेनस समुदाय मान कर उसकी कॉमन अस्मिता की राजनीति कर रही है। दूसरी, मंडल के ऊपर कमंडल के असर का आकलन नहीं कर रही है और तीसरी राहुल गांधी चाहते हैं कि सिर्फ बातों से काम बन जाए। यानी वे भाषण दें और अच्छी अच्छी बातें कहें, उससे पिछड़ी जातियां कांग्रेस के साथ जुड़ जाएं। वे पिछड़ा नेतृत्व आगे किए बगैर कांग्रेस नेतृत्व के पारंपरिक ढांचे में यह राजनीति कर रहे हैं। सबसे पहला मामला यह है कि पोस्ट मंडल यानी मंडल के बाद की राजनीति बहुत बदल गई है। कार्ल मार्क्स के द्वंद्वात्मक भौतिकवाद को पढने समझने वालों को पता है कि कोई भी वाद या विचार स्थायी नहीं होता है। विचार के साथ ही प्रतिविचार का जन्म होता है और दोनों के द्वंद्व से एक संविचार यानी पहले से परिष्कृत विचार का जन्म होता है। सो, मंडल की राजनीति के मजबूत होने पर इसके अंदर ही टकराव और बिखराव शुरू हुआ। इसको वर्गीकरण के रूप में समझ सकते हैं। हालांकि जैसे अभी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अनुसूचित जातियों में वर्गीकरण का मामला तूल पकड़े हुए है उस तरह पिछड़ी जातियों में नहीं हुआ लेकिन बिहार और कुछ अन्य जगहों पर पिछड़ा और अति पिछड़ा के तर्ज पर सरकारी नौकरियों और दाखिले में वर्गीकरण दिखाई दिया। साथ ही राजनीतिक स्तर पर इसका दायरा ज्यादा व्यापक हुआ।

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

ललित गर्ग

जमू-कश्मीर के गांदरबल जिले में 20 अटूबर रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रशन प्रॉजेट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पाि है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैपों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है।

टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे। लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए। कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी। गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं। क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियत भरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं। सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए।

जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। जम्मू-कश्मीर में गरीबी, अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ अभी लम्बा सफर तय करना बाकी है। आतंकवाद के पैर उखाड़ने के लिये जनता एवं सरकार की मिली-जुली शक्तियां सामने आये।

पंचायतें ही भारत के लोकतंत्र का आधार

यही सत्य है, यही लोकतंत्र है कि ग्राम-पंचायतों के चुनाव निष्पक्ष हों और राजनीति को पंचायती चुनावों से अलग रखा जाए। यदि केंद्र सरकार सचमुच लोकतंत्र हितकारी है तो उसे प्रत्येक गांव तक अपना अस्तित्व दिखाना पड़ेगा और हर वयस्क जो गांव में रहता है, उस तक सच्चे लोकतंत्र को ले जाना होगा। आजादी के इतने वर्षों के बीत जाने पर भी हमारे गांव उपेक्षित, वंचित और गरीबी रेखा से नीचे स्तर का जीवन जी रहे हैं। सरकारों को बापू गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू के 'ग्राम स्वराज' के सपनों को पूरा करना होगा। विनोबा भावे और जय प्रकाश के 'ग्राम चलो' नारे को साकार करना होगा। लोकतंत्र के आधार को गांव तक पहुंचाना होगा। आज पंडित जवाहर लाल नेहरू का वह भाषण याद आ रहा है, जो उन्होंने पंजाब के राजपुरा (पटियाला) में 1960 को दिया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि नया भारत तीन क्रांतियों की ओर अग्रसर है। पहली क्रांति भारत में शिक्षा का प्रसार, दूसरी क्रांति कृषि सुधार, तीसरी क्रांति 'पंचायती राज'। तीनों क्रांतियां भारत के लोकतंत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएंगी। देहात के दबे-कुचले लोगों को अपना राज मिलेगा। उन्हें अपना शासन आप चलाना आएगा। लोकतंत्र के प्रति गांव के लोगों का विश्वास बनेगा। परन्तु नेहरू के बाद की केंद्र सरकारों ने नेहरू के प्रगतिशील नारों से मुंह ही मोड़ लिया। दोस्तो, आपको नहीं लगता कि पंचायती चुनावों ने देहात के लोगों का जीवन बदल दिया। उन्हें अपना राज आप संभालने की आदत आने लगी। अब तो सरकारों ने महिलाओं के लिए पंचायत चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण भी लागू कर दिया है। दलित, अनुसूचित और वंचित समाज के लिए आरक्षण बढ़ा दिया गया है। पढ़ी-लिखी युवा पंच-सरपंच महिलाएं तो अपने-अपने गांवों को 'माडल ग्राम' बनाने में लग जाएंगी। चुने गए पंच-सरपंच अब जात-बिरादरी के झगड़ों को छोड़ भारत के लोकतंत्र का आनंद उठाएंगे। पंच-सरपंच गांव के विकास की राह को आसान बनाते चलेंगे। पंच-सरपंच याद रखें कि पंजाब में पंचायती चुनाव 10 साल बाद हुए हैं। पांच साल की ग्राम विकास योजनाएं बनाकर आगे बढ़ते चलें। अब जात-पात के बंधनों से अपने को मुक्त करो। भारत के लोकतंत्र को और मजबूती दो। गांव के विकास के लिए राजनेताओं पर निर्भर न रहो। राजनीति छोड़ अपने गांव के भाग्य विधाता बनें, यही तुम्हारे और तुम्हारे गांव के हित में होगा। असल स्थानीय सरकार तो पंचायत ही है। ग्राम पंचायत क्षेत्र, जनसंख्या और वित्तीय साधन जुटाने में सबसे छोटी और सबसे कारगर इकाई है। बलवंत राय कमेटी का सुझाव था कि शासन का विकेंद्रीकरण किया जाए। केंद्र सरकार के बाद राज्य सरकार, फिर जिला सरकार, फिर तहसील स्तर पर सरकार फिर ब्लाक समिति सरकार और फिर सबसे नीचे पंचायत सरकार। यह है सत्ता का विकेंद्रीकरण। ग्राम पंचायत अंतिम सरकार है। उद्देश्य सरकारों का बस इतना कि अंतिम व्यक्ति भी सत्ता में भागीदार बने। दलित, प्रताड़ित, घोर गरीब, वंचित तक सरकारी पहुंच हो जाए। पंचायती राज स्वशासन (यानी अपना शासन) की ओर पहला ठोस कदम है। संविधान के 73वें संशोधन में पंचायत के संगठन, कार्यों तथा शक्तियों का वर्णन किया गया है। भारत में इस समय 2,25,832 से अधिक पंचायतें हैं। पंजाब में 200 आबादी वाले, हरियाणा में 500 आबादी वाले, हिमाचल में 1000 आबादी वाले गांवों को पंचायत माना जाता है। यदि

किसी गांव की आबादी इससे कम हो तो अन्य गांवों को जोड़ कर पंचायत बना दी जाती है। गांव पंचायत का आकार इसकी सदस्यता के अनुसार 5 से 31 तक बनाया जाता है। हरियाणा में 6 से 20 तक, पंजाब व हिमाचल प्रदेश में 5 से 13 तक, उत्तर प्रदेश में 16 से 31 तक सदस्य संख्या रखी जा सकती है। पंचायतों के चुनाव ग्राम सभा गुप्त मतदान द्वारा करवाती है। प्रत्येक वोटर को दो वोट डालने पड़ते हैं। एक सरपंची के लिए और दूसरा वोट पंच के लिए। कई पंचायतें मिल-बैठ कर सर्वसम्मति से पंचों और सरपंच का चुनाव कर लेती हैं। राज्य सरकार किसी भी वैधानिक ढंग से चुनी हुई पंचायत को भंग नहीं कर सकती। पंचायत दो प्रकार के कार्य करती है = (क) न्यायिक (ख) प्रशासनिक। पंचायत को अधिकार प्राप्त है कि वह किसी भी सम्पत्ति संबंधी झगड़ों में आरोपी पक्ष को 100 रुपए का जुर्माना लगा सकती है। पंचायत के ऐसे फरमानों के विरुद्ध आगे किसी भी 'कोर्ट आफ लॉ' में अपील नहीं हो सकती। पंचायत अपने किसी भी नागरिक को सम्पत्ति का अवैध उल्लंघन करने पर दंडित कर सकती है। छोटे-मोटे अपराध जैसे जुआ खेलना, कम तोलना, उचित दाम के स्थान पर अनुचित पैसे लेना, पशुओं पर अत्याचार करना, वृक्षों को नष्ट करना, बच्चों को नशा करने और गांव में उपद्रव और मनमानी करने वालों को रोकना इत्यादि काम करने होते हैं। इनके अलावा अपने गांव में खेती और उद्योगों की लघु इकाइयों को प्रोत्साहन देना, हानिकारक कीड़े-मकौड़ों से ग्राम वासियों को मुक्ति दिलाना, गलियों-नालियों के सीवरेज सिस्टम को ठीक रखना, सड़कों और पुलों की मुरम्मत करवाना, गांववासियों और पशुओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना, गांव में सांस्कृतिक और भौतिक सुविधाओं के अवसर देना, कब्रिस्तान तथा श्मशानों के लिए स्थान उपलब्ध करवाना, मेले लगाना, बाग-बगीचों को हरा-भरा रखना, युवाओं के लिए खेल के मैदान, मनोरंजन के साधन उपलब्ध करवाना, लाइब्रेरी या पुस्तकालय का प्रबंध करना इत्यादि शामिल होते हैं। पंचायतों को राज्य सरकार या जिले के डी.सी. से पैसा मिलता है। गांव से वसूले गए टैक्स भी ग्राम पंचायतों को धन उपलब्ध करवाते हैं। कूड़ा-कर्कट तथा मृतक पशुओं की बिक्री से आय होती है, कई गांवों में बड़े-बड़े तालाबों में मछली पालने से भी पंचायत को आय होती है। पंचायत की अपनी लैंड भी होती हैं जिससे भी आमदन होती है।

पंचायतों को लोग दान भी देते हैं। चूल्हा टैक्स और जुर्माने से भी पंचायत की आय में वृद्धि होती है। परन्तु पंचायतों में राजनीति का बोलबाला बहुत ज्यादा है।

कार्य प्रारंभ न करने पर ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश

जिला अधिकारियों को धान खरीदी हेतु व्यापक तैयारी करने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी.राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आहूत की। उन्होंने समस्त विभागों से विगत दिवस आयोजित सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक, मुख्य सचिव की वीडियो कांफ्रेंसिंग, एपीसी की संभागीय बैठक के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा के साथ विभागीय महत्वपूर्ण पत्रों, पिछले शिविर के लंबित मुद्दे, डीएमएफ कार्यों की प्रगति, आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, नगर पंचायत के सीएमओ को नगर पालिका चुनाव हेतु स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष का चिन्हांकन करने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत चुनाव हेतु अभी से अच्छे शासकीय भवन तथा स्कूलों का चिन्हांकन करने के कहा, ऐसे भवनों को प्राथमिकता चुने जाने के लिए कहा जिसमें आने के लिए अलग और जाने के लिए अलग से द्वार हो। इसके साथ में भवनों में पेयजल, प्रकाश, शौचालय सहित दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प और व्हील चेयर मतदान कक्षों में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। मतदान के लिए कर्मचारियों तथा सुरक्षा बलों की संख्या का आकलन कर अनुमानित संख्या की जानकारी उपलब्ध कराने, जिले के भौगोलिक स्थिति को देखते हुए निर्वाचन कार्य में बस, मिनी बस, पिकअप, बोलेरो आदि वाहन की व्यवस्था, रूट चार्ट तैयार करने के निर्देश दिये। संवेदनशील, अतिसंवेदनशील तथा पहुंच विहीन मतदान केन्द्रों का पहले चिन्हांकन करने कहा गया।

उन्होंने जनपद सीईओ को समस्त जनपद पंचायतों में सचिवों की बैठक कर मुख्यालयों में आवास मेला आयोजित करने तथा आवास मेला में लोगों को प्रोत्साहन करने के साथ ही आवास मेला में जनपद के जनप्रतिनिधियों आमंत्रित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में श्रद्धांजलि योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन करने के लिए भी सीईओ को निर्देश दिये। इस योजना के तहत परिवार के मुखिया या किसी कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर 24 घण्टे के भीतर अंतिम संस्कार के लिए मृतक के परिवार को दो हजार रुपये तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी। मृतक परिवार को सहायता राशि उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव का होगा। उन्होंने कहा कि धान खरीदी का कार्य शासन का महत्वपूर्ण कार्य है। 14 नवम्बर से धान खरीदी कार्य प्रारंभ हो जाएगा। सभी अधिकारी इसके लिए आवश्यक तैयारी रखे। उन्होंने जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, माप तौल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समस्त धान खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सत्यापन का कार्य महत्वपूर्ण है। इस पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य करें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। अवैध धान का परिवहन करने वाले कोचियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कोचियों पर शिकंजा कसने के लिए खाद्य, सहकारिता एवं मण्डी की संयुक्त टीम कार्य करें। उन्होंने कहा कि गिरदावरी पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। पोर्टल में जहां धान की एंट्री नहीं है, वहां धान की खरीदी नहीं हो, इस बात का ध्यान रखें। आवश्यकता से अधिक टोकन होने पर सत्यापन जरूर करें। धान खरीदी के कार्य में नोडल अधिकारी, सरपंच, पटवारी, आरईएओ सहित अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं। उन्होंने खाद्य विभाग को जिले में बारदाना की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने 25 अक्टूबर को बड़काबहरा में आयोजित होने वाली जनसमस्या निवारण शिविर में रोजगार मेला का आयोजन करने के निर्देश जिला रोजगार नियोजन अधिकारी को दिये हैं। बरसात बित जाने के बाद भी हांउसिंग बोर्ड द्वारा कार्य प्रारंभ न कराये जाने पर उन्होंने विभाग को ठेकेदार पर नोटिश जारी करने के दिये निर्देश। इस दौरान अपर कलेक्टर अनिल सिदार, संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा, एसडीएम प्रवीण कुमार भगत, लिंगराज सिदार, सर्व तहसीलदार, जनपद सीईओ, सर्व नगर पंचायत सीएमओ सहित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्टील फैक्ट्री की मालकिन से अकाउंटेंट ने ठगे 3.5 करोड़

तबीयत खराब होने पर हमदर्द बनकर फर्जी तरीके से माल बेचा, बिहार से एक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर में एक स्टील फैक्ट्री की मालकिन से उसके ही अकाउंटेंट ने करीब साढ़े 3 करोड़ रुपए ठग लिए। आरोपी फैक्ट्री मालकिन की तबीयत खराब होने पर हमदर्द बना और पूरा काम संभालने की बात कही। फिर उसने फर्जी तरीके से माल बेचकर पैसे ठग लिए। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

दशरथ कुकरेजा ने एफआईआर में बताया कि, उसकी पत्नी गोपाला इंटरप्राइजेज की प्रोपराइटर है। उसकी पत्नी ही पूरे फर्म को चलाती है। उसकी तबीयत खराब होने पर फैक्ट्री का अकाउंटेंट भूपेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि, वह फर्म को चला लेगा। साथ ही ज्यादा मुनाफा भी दिलवाएगा। जिसके बाद फर्म की जिम्मेदारी भूपेंद्र को दे दी गई।

दोस्तों के साथ मिलकर की गड़बड़ी: इस दौरान आरोपी ठाकुर मालकिन तो भरोसे में लेकर बैंक खाते का आईडी पासवर्ड और पैसों का लेनदेन करने लगा। तभी दशरथ कुकरेजा को फर्म के लेनदेन में गड़बड़ी का शक हुआ। उन्हें पता चला कि भूपेंद्र सिंह ठाकुर अपने साथी फ़ैज़ अहमद, रूपेश कुमार और अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्म के माल सप्लाई और बिल में गड़बड़ी कर रहा है।

दो आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार: इसके बाद दशरथ ने भूपेंद्र को साढ़े 3 करोड़ रुपए का हिसाब मांगा तो आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए रुपए वापस लौटा देने की बात कही, लेकिन इस बीच वह फरार हो गया। इसके बाद पूरा मामला देवेंद्र नगर थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने ठगी में शामिल एक आरोपी फ़ैज़ अहमद को रायपुर के आमानाका से गिरफ्तार किया था। मंगलवार को पुलिस ने एक अन्य आरोपी रूपेश कुमार को बिहार के पटना जिले से गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल इस मामले का मुख्य आरोपी भूपेंद्र सिंह ठाकुर फरार है।

हथकरघा गोडाउन में 10 हजार किलो धागा चोरी

कम भाव में चोरी का माल खरीदने वाले 2 व्यापारी गिरफ्तार, मजदूर ने किया था पार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में केंद्रीय हथकरघा गोदाम से करीब 10 हजार किलो कपड़े बनाने वाले धागे की चोरी हो गई। इस धागे की चोरी गोदाम के ही एक मजदूर ने की हैं। पुलिस ने इस मामले में दो दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने इस चोरी के माल को जानते हुए उसे कम भाव में खरीदा था। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। खमतराई थाना प्रभारी एस एन सिंह के मुताबिक, छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास का केंद्रीय गोदाम भानपुरी में स्थित है। जहां से 19 जिलों के 324 बुनकर सहकारी समिति को कपड़े बनाने के लिए धागा दिया जाता है। 22 जून 2024 को शाम 7:30 के आसपास गोदाम में काम करने वाला एक मजदूर मिथिलेश श्रीवास दो गाड़ियां लेकर गोदाम के दरवाजे पर आता है। अपने साथ वह मजदूर भी लेकर आता है।

एक-एक कर 25 लाख का माल पार: श्रीवास ने गोदान में रखे हुए धागे को मजदूरों की मदद से गाड़ियों में भर लिया। यह धागे 9600 किलो जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपए थी। जब गोदाम के स्टॉक का मिलान किया गया तो इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। इस मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी संजय कुमार देवांगन और जितेंद्र कुमार देवांगन से करीब 12 लाख का माल बरामद कर लिया। यह दोनों जांजगीर-चांपा के रहने वाले है। इन्होंने चोरी का माल जानने के बावजूद भी उसे कम रेट में खरीदा था।

आंगनबाड़ी केंद्रों की विभिन्न गतिविधियों पर की गई चर्चा

बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल ने लिजे के समस्त सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की विभिन्न गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। शुभम बंसल ने सभी सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित रूप से बच्चों का वजन कराते हुए बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करने को कहा। उन्होंने पोषण ट्रेकर के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर की निगरानी को प्राथमिकता देने की बात कही जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार किया जा सके। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने जिले में पालना केंद्र (क्रेच) खोलने का निर्देश दिया, जिससे कामकाजी माताओं को उनके बच्चों की देखभाल में सहूलियत मिले।

इसके लिए सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारी को योजनाओं को तेजी से लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में बंसल ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी को इंफ्रा पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिये। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक केंद्र की भौतिक और तकनीकी जानकारी समय पर पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि विभाग को हर केंद्र की वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा हो सके और जरूरत के मुताबिक संसाधन उपलब्ध कराए जा सके। बंसल ने जिले के दो आंगनबाड़ी केंद्रों में नए बोरवेल खनन के निर्देश दिए ताकि जल आपूर्ति की समस्या का समाधान हो सके। साथ ही जिन आंगनबाड़ी केंद्रों की मोटर खराब हो चुकी हैं, उनकी सूची तैयार करने को कहा गया है। उन्होंने संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने कन्या विवाह योजना के तहत लाभार्थियों का चयन करने और उनका विवाह समय पर कराने के लिए भी निर्देशित किया। इसके लिए उन्होंने सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि वे ऐसे परिवारों की पहचान करें, जो इस योजना के तहत सहायता के पात्र हैं। बैठक में महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री बंसल ने आंगनबाड़ी केंद्रों की बेहतरी और उनकी सुचारु गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में जिले के सभी सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैकुंठपुर के छात्र की मौत

अनियंत्रित बाइक बीच सड़क पर गिरी, दोस्तों के साथ पिकनिक मनाकर लौटते समय हादसा, एक घायल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में पीएससी की तैयारी कर रहा एक छात्र अपने दोस्तों के साथ पिकनिक से लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। हादसे में बैकुंठपुर के एक छात्र की मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त घायल है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, बिलासपुर से 6-7 दोस्त पिकनिक मनाने के लिए मंगलवार को कोटा के कोरी डेम गए थे। सभी युवक अलग- अलग बाइक पर सवार थे। डैम के पास पिकनिक मनाने के बाद सभी युवक देर शाम वापस शहर लौट रहे थे।

मोड़ पर बीच सड़क में गिरी अनियंत्रित बाइक: सभी युवक अपनी अपनी बाइक पर सवार थे। अभी उनकी बाइक कोटा-बेलगहना मार्ग के कोरी डेम स्थित मोड़ के पास पहुंची थी कि एक बाइक अचानक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर गिर गई। जिससे उसमें सवार दो युवक काव्य दास महंत (20) पिता सुधान दास महंत और विश्वेंद्र प्रताप सिंह (19) पिता बलवंत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें दोस्तों ने इलाज के लिए कोटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने काव्य दास महंत को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे युवक विश्वेंद्र प्रताप सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर के सिम्स अस्पताल रेफर कर दिया।

पीएससी की तैयारी करने आया था छात्र: बताया जा रहा है कि, दोनों छात्र बैकुंठपुर के रहने वाले हैं। सुधान दास यहां पीएससी की तैयारी कर रहा था। वहीं, विश्वेंद्र प्रताप सिंह भी कॉलेज पढ़ रहा था। दोनों रूम किराए पर लेकर एक साथ रहते थे। पुलिस ने युवक के मृत युवक के शव को मॉर्चुरी में रखवा दिया था। बुधवार को परिजन की मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। जिसके बाद परिजन उसे लेकर बैकुंठपुर के लिए रवाना हो गए।

पुलिस से बचकर भाग रहे तस्करों की कार पलटी

30किमी तक पीछा कर पति-पत्नी समेत 4 तस्करों को किया गिरफ्तार, 2 लाख का गांजा बरामद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में पुलिस से बचने भाग रहे तस्करों की कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर पलट गई। हादसे के बाद पुलिस से बचने तस्कर कार से निकलकर भागने लगे। जिन्हें दौड़ाकर दबोच लिया गया। पुलिस ने मामले में पति-पत्नी समेत 4 तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। उनके पास से 2 लाख रुपए कीमती 16 किलो गांजा बरामद किया गया हैं। दरअसल, गांजा तस्कर कोरबा तरफ से गांजा लेकर तखतपुर की ओर जा रहे थे। रतनपुर टीआई रजनीश सिंह और उनकी टीम ने तस्करों को पकड़ने घेराबंदी की। लेकिन, तस्करों को इसकी भनक लग गई। उन्होंने रास्ता बदल लिया। लिहाजा, पुलिस की टीम ने 30 किलोमीटर तक उनका पीछा किया। लेकिन, कार सवार तस्कर तेजी से भागने लगे।

पुलिस से बचने भागने के चक्कर में पलटी कार: तस्करों के भागने की खबर सकरी पुलिस को दी गई। जिसके बाद सकरी पुलिस ने भी वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान तस्कर हाईवे के बजाए अंदर के रास्ते से भागने लगे। पुलिस की टीम ने काठाकोनी घोंघा नाला के पास घेराबंदी की। यहां भी पुलिस की घेराबंदी देखकर कार सवार वाहन मोड़कर भागने लगे। इसी दौरान उनकी कार सड़क से उतरकर नाले में पलट गई। कार पलटने के बाद तस्कर वाहन छोड़कर भागने लगे। जिस पर जवानों ने उनका पीछा कर उन्हें दौड़ाकर दबोच लिया। इस दौरान दो तस्कर पकड़े गए।

चर्चित तस्कर ने पत्नी के जरिए मंगाया था गांजा, चार गिरफ्तार: टीम ने सक्ती जिले के जैजैपुर के आमगांव निवासी विष्णु चंद्रा उर्फ बबलू (42) और जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ क्षेत्र के पेंड्री निवासी सोहन साहू उर्फ गोलू (22) को पकड़ने के बाद पूछताछ की। उन्होंने बताया कि, तखतपुर में रहने वाली महिला कांति उर्फ काजल (36) और उसके पति प्रदीप पांडेय (46) ने गांजा मंगाया हैं।

सत्यम शुक्ला का राज्य स्तरीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। राज्य स्तरीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय चिरमिरी का 10 वी के छात्र सत्यम शुक्ला द्वारा गणितीय माडल्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया । यह आयोजन सरस्वती महाविद्यालय, अम्बिकापुर में सम्पन्न हुआ। इस प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह प्रतियोगिता विज्ञान के प्रति अन्वेषण कौशल विकसित करने और विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय चिरमिरी के छात्र सत्यम शुक्ला ने गणितीय मॉडल "समांतर रेखाएं एवम तिर्यक रेखाओं के गुणों का प्रयोगात्मक प्रर्दशन " का प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। सत्यम शुक्ला के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संस्था के प्राचार्य डां.डी.के.उपाध्याय ने बधाई देते हुए संस्था में सम्मानित किया किया गया । इस अवसर पर संस्था सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवम छात्र गण उपस्थित थें ।

विधायक रेणुका के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने सरगुजा प्राधिकरण के बजट को 50 से बढ़ाकर 75 करोड़ किया

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट बढ़ने से विकास के पथ पर अग्रसर होगा भरतपुर-सोनहत : रेणुका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के आग्रह पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट में 25 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। भरतपुर-सोनहत विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ करने का निर्णय लिया है अब सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट 75 करोड़ हो जाने से वनांचल क्षेत्रो का तेजी से विकास होगा। सरगुजा संभाग तेजी से विकास पथ पर अग्रसर होगा। प्राधिकरण के बजट में वृद्धि होने स्व शिक्षा, स्वास्थ्य स्वरोजगार, बिजली, पर्यटन क्षेत्रों मोबाइल नेटवर्क को चिन्हांकित कर विकास किया जाएगा।

गौरतलब है कि सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को जशपुर के मियाली नेचर कैंप में आयोजित थी जिसमे सरगुजा संभाग के सभी विधायकों के साथ ही प्रदेश के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा विभिन्न विभागों के सचिवों ने हिस्सा लिया था। 5 साल बाद हुई प्राधिकरण की बैठक में एक-एक कर मंत्रियों व विधायकों ने अपने-अपने सुझाव रखे।

इस दौरान भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह जो खुद 2003 से लेकर 2008 तक सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष रही हैं, ने कहा कि सरगुजा संभाग काफी बड़ा है कई वनांचल इलाके इस संभाग में है जहां विकास कार्यों की आवश्यकता है, लेकिन प्राधिकरण के बजट में अभी सिर्फ 50 करोड़ है ऐसे में बजट कम होने से कई इलाको में उतना कार्य नहीं हो पाता जितना होना चाहिए विधायक रेणुका सिंह ने अपनी विधानसभा भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के भगौलिक व क्षेत्रफल के हिसाब से उदाहरण देते हुए प्राधिकरण की बैठक में कहा कि विधानसभा क्षेत्र के जनसंपर्क के दौरान मेरा कई ऐसे वनांचल क्षेत्रों में जाना हुआ जहां लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं को तरसते है। कई इलाके तो ऐसे है जहाँ आज भी मोबाइल नेटवर्क नहीं है।

विधायक रेणुका सिंह के आग्रह व तार्किक बातों पर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस बड़ी घोषणा के लिए विधायक रेणुका सिंह ने भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्रवासियों की तरफ से मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

घर से दिनदहाड़े 8 लाख के जेवरात पार

ससुर को नाश्ता देने गई थी बहू, अलमारी से गहने लेकर फरार हुए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में दिनदहाड़े चोरी का मामला सामने आया हैं। सेवानिवृत्त शिक्षक के घर से 8 लाख रुपए के जेवरात को चोरों ने पार कर दिए। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया हैं। वारदात चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक लोचन नगर स्थित एलआईजी 32 में रहने वाला सेवानिवृत्त शिक्षक सीताराम देवांगन परिवार के साथ रहते हैं। बुधवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे सीताराम देवांगन की बहू उन्हें नाश्ता देने के लिए ऊपरी माले के कमरे में गई। नाश्ता देकर जब बहू नीचे उतरी तो देखा कि बेडरूम की अलमारी के लॉकर में चाबी लगी हुई है और वहां बैग बिखरा पड़ा है। जब उसने लॉकर चेक किया, तो उसमें रखे जेवरात नहीं मिले। इसके बाद उसने ससुर सीताराम देवांगन और सास को इसकी जानकारी दी।

चोरों ने नकदी को छोड़ दिया: पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की तो पता चला कि लॉकर में नकद 3 हजार रुपए भी थे, लेकिन उसे चोर ने छोड़ दिया और जेवरात को लेकर मौके से फरार हो गया। इसके अलावा कोई अन्य सामान की चोरी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि चोरी हुए जेवरात की कीमत तकरीबन 7 से 8 लाख रुपए है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: सेवानिवृत्त शिक्षक के घर में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था। ऐसे में पुलिस मामले में आरोपियों की पतासाजी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है और अब तक चोर का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

जब तेल टैंकर से ऑयल नहीं, निकलने लगी शराब, पुलिस भी हैरान

मुजफ्फरपुर। बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब तस्कर नए-नए तरीके से शराब की तस्करी कर रहे हैं। ताजा मामला मुजफ्फरपुर जिले से सामने आया है, जहां हिंदुस्तान पेट्रोलियम के एक तेल टैंकर में शराब भरकर लाई जा रही थी। इस अजीबोगरीब तरीके से शराब तस्करी को देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। उत्पाद विभाग की टीम ने मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मार्ग पर सकरी सरैया से इस तेल टैंकर को जब्त किया है। टैंकर में अरुणाचल प्रदेश में बनी 200 पेटी विदेशी शराब और बीयर बरामद हुई है। हालांकि, शराब तस्कर मौके से फरार हो गए। उत्पाद विभाग के अनुसार, शराब तस्करों ने तेल टैंकर का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि इससे पुलिस को शक नहीं होता। टैंकर का नंबर नागालैंड का था और इसे मुजफ्फरपुर में ही अनलोड किया जाना था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस उन लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने इस शराब तस्करी का मास्टरमाइंड किया था। साथ ही, पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह शराब कहां से लाई गई थी। यह मामला एक बार फिर बिहार में शराबबंदी कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, सरकार का दावा है कि शराबबंदी से बिहार में अपराध में कमी आई है, लेकिन ऐसे मामले बताते हैं कि शराब तस्कर अभी भी सक्रिय हैं और नए-नए तरीके से शराब की तस्करी कर रहे हैं।

एम.पी. टूरिज्म बोर्ड और एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के न्यूजलेटर 'ऑफबीट मध्यप्रदेश' का विमोचन किया। इस न्यूजलेटर का उद्देश्य राज्य के पर्यटन स्थलों की व्यापक जानकारी प्रदान करना और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्रत्येक 3 माह में प्रकाशित होने वाले इस न्यूज लेटर में मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, और धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी दी जाएगी। मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल, नीतियों, आयोजन और सम-सामयिक गतिविधियों के प्रचार प्रसार के लिए प्रकाशन किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र के देश और विदेश के हितधारक, मीडिया और जनसामान्य को मध्यप्रदेश पर्यटन की उपलब्धियों और नवाचार की जानकारी मिल सकेगी। इस न्यूज लेटर को मध्यप्रदेश पर्यटन की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फेन सेन्चूरी, मण्डला में स्थित इकाई के संचालन के लिए स्वीकृति पत्र (लेटर ऑफ अवॉर्ड) अंश इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेवलपर्स रायपुर को सौंपा। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा 30 वर्ष के लिए पीपीपी मोड में संचालित करने के लिए सौंपा है। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विकास होगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना के एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

जम्मू-कश्मीर में दरबार मूव की बहाली में जुटी अब्दुल्ला सरकार

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। उमर अब्दुल्ला की सरकार जम्मू-कश्मीर में 150 साल पुरानी दरबार मूव परंपरा को फिर से बहाल करने की तैयारी में है। जम्मू-कश्मीर मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने दैनिक भास्कर को बताया कि अब्दुल्ला सरकार की अगली कैबिनेट मीटिंग में दरबार मूव परंपरा की बहाली पर फैसला हो सकता है।

इसके दोबारा शुरू करने के पीछे तर्क है कि इस परंपरा के बंद होने से जम्मू में कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जम्मू को दरबार मूव की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर और जम्मू के बीच राजधानी को ट्रांसफर स्थानांतरित करने से संबंधित 152 साल पुराने दरबार मूव को रुन्न मनोज सिन्हा ने जून 2021 में समाप्त कर दिया गया था।

दरबार मूव परंपरा को 1872 में जम्मू-कश्मीर के डोगरा राजवंश के महाराजा रणबीर सिंह ने शुरू किया था। गर्मी आने पर वे जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर शिफ्ट कर देते थे। और जब सर्दियां आती थीं तब जम्मू शिफ्ट कर देते थे।

भयंकर सर्दी और भयंकर गर्मी से बचने के लिए ऐसा किया जाता था। राजधानी ट्रांसफर करने से श्रीनगर और जम्मू दोनों की जगहों के व्यापार में 6-6 महीने बहुत तेजी रहती थी।

फारूक अब्दुल्ला को परंपरा बंद करने की कोशिश की, विरोध हुआ: साल 1987 में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कोशिश की थी कि ये परंपरा बंद कर दी जाए। उन्होंने पूरे साल सचिवालय श्रीनगर में रखने के आदेश भी जारी किए थे। लेकिन उनके इस फैसले का जमकर विरोध हुआ था। जम्मू में जमकर प्रदर्शन हुए थे। बाद में फारूक को अपना आदेश वापस लेना पड़ा था।

कोविड के दौरान भी दरबार मूव नहीं हुआ था: 2020 में इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर में दरबार मूव नहीं हुआ था। उस दौरान कोरोना वायरस के चलते पैदा हुई स्थितियों के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया था।

हालांकि 4 मई को जम्मू और कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सालाना दरबार खुला जरूर था, लेकिन कर्मचारी जहां थे वही रहे। इस दौरान जम्मू और श्रीनगर दोनों जगहों पर सचिवालय के दफ्तर ने काम किया था।

प्रशासन ने तीन दर्जन से ज्यादा विभागों के कार्यालयों के रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण पूरा होने के बाद जून 2021 में दरबार मूव के लिए कर्मचारियों के नाम अलॉट आवास के आवंटन रद्द कर दिए थे।

ससे कारोबारी काफी नाराज हुए थे। जब दरबार सर्दियों में जम्मू आता था, तो कश्मीर के हजारों कर्मचारी और उनके परिवार जम्मू आते थे। जम्मू के बाजारों में छह महीने तक चहल-पहल रहती थी। इससे बिक्री काफी बढ़ती थी।

उस दौरान प्रशासन का दावा किया था कि दरबार मूव बंद करने से सरकारी खजाने को सालाना 150-200 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी।

हर साल नवंबर के पहले सप्ताह में सिविल सचिवालय की ओर जाने वाली जम्मू की सड़कों की मरम्मत की जाती थी। खराब ट्रैफिक सिग्नल सुधारे जाते थे। सैकड़ों कार्यालय परिसरों को सजाया जाता था।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री वैथियलिंगम समेत कई अन्य के परिसर पर छापेमारी की है। यह छापेमारी चेन्नई समेत चार अलग-अलग शहरों में की गई। बता दें कि वैथियलिंगम को पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम का करीबी माना जाता है। ईडी की यह जांच चेन्नई मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण के कार्यों के लिए मंजूरी देने में कथित लेन-देन से संबंधित है। उस समय वैथियलिंगम तमिलनाडु आवास विकास मंत्री के रूप में कार्यरत थे। उन्हें 2022 में पूर्व सीएम एडाप्पडी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में परीनसेल्वम के साथ पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने पिछले महीने वैथियलिंगम और उनके बड़े बेटे वी. प्रभु के खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

उद्धव ने 65 कैंडिडेट की लिस्ट जारी की, कांग्रेस-शिवसेना उद्धव और NCP शरद 85-85-85 सीटों पर लड़ेंगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए शिवसेना (क्ल्ल) की पहली लिस्ट जारी हो गई है। उद्धव ठाकरे ने 65 प्रत्याशियों की सूची जारी की, इसमें वरली से उनके बेटे आदित्य ठाकरे को प्रत्याशी बनाया गया है। कोपरी पाचपखाडी से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामने केदार दिघे को टिकट दिया है।

शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के खिलाफ ठाकरे गुट ने सावंतवाडी से पूर्व विधायक राजन तेली को टिकट दिया गया है। कैबिनेट मंत्री अब्दुल सत्तार के खिलाफ सिल्लोड से सुरेश बनकर को चुनाव में उतारा गया है।

शिवसेना (क्ल्ल) की लिस्ट में 3 महिलाओं को टिकट दिया गया है। पांच सीटें स्ष्ट और 3 सीटें स्ज्ञ के लिए हैं। महाराष्ट्र महाविकास अघाड़ी (रूड्ढ) में शिवसेना (क्ल्ल) ने सबसे पहले लिस्ट जारी की है। अभी कांग्रेस और ह्रष्टक्क

(स्क्) की लिस्ट आनी बाकी है।

रूड्ढ ने शीट शेयरिंग का फार्मूला भी बताया है। शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने बताया कि कुल 270 सीटों पर बात बन गई हैं। कांग्रेस-शिवसेना (क्ल्ल) और ह्रष्टक्क (स्क्) 85-85-85 सीटों यानी 255 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

बची हुई 33 सीटें में कुछ सीटें रूड्ढ के तीनों दलों को मिलेंगी। कुछ सीट ढ्ढ.ह्न.ष्ठ.ढ्ढ. ब्लॉक के अन्य दलों को दी जाएंगी। अन्य दलों में समाजवादी पार्टी, स्ड्डक्क और ष्टक्कु(रू) समेत अन्य पार्टियां शामिल हैं। हालांकि, अन्य दलों को कितनी सीटें दी जाएंगी ये अभी नहीं बताया गया है।

मैरिटल रेप पर सरकार बोली-सहमति बिना संबंध हमारा मुद्दा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैरिटल रेप पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार (23 अक्टूबर) को सुनवाई हुई। केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील रखी। मेहता ने कहा- यह मामला बहुत बड़ा है, हमारा तर्क यह नहीं है कि संबंध बिना सहमति के बनाए जा सकते हैं। इस पर बहस के लिए पूरा दिन चाहिए।

इस पर CJI ने कहा- हमें नहीं लगता है कि इस मामले पर दलीलें इतनी जल्दी खत्म हो पाएंगी। हम इसे रिलिस्ट करते हैं लेकिन दलीलें सभी को देनी होंगी। मामले की सुनवाई 4 हफ्ते बाद दूसरी बेंच करेगी क्योंकि 10 नवंबर को CJI चंद्रचूड़ रिटायर हो जाएंगे।

इससे पहले मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार (17 अक्टूबर) को 3 घंटे सुनवाई चली थी। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई की थी।

केस में दो याचिकाकर्ता हैं। एक याचिकाकर्ता की एडवोकेट करुणा नंदी ने कहा था- पत्नी के साथ जबरन संबंध बनाने में पति को सिर्फ इसलिए छूट मिल रही, क्योंकि पीड़ित पत्नी है। यह जनता बनाम पितृसत्ता की लड़ाई है, इसलिए हम अदालत में आए हैं।

हरियाणा में पराली जलाने वालों पर सख्त कार्रवाई, अब तक 19 किसानों के खिलाफ मुकदमा

पलवल (एजेंसी)। किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के मामलों को लेकर कृषि विभाग सख्त है। अब तक 19 किसानों पर मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। इसके अलावा, पराली जलाने वाले किसानों से 55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल के सहायक तकनीकी प्रबंधक अतुल कुमार शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, जिला उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत नियुक्त ग्राम स्तरीय नोडल अधिकारी, खंड स्तरीय निगरानी टीम और उप-मंडल स्तरीय निगरानी टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में हर समय फील्ड में तैनात रहें। जिन किसानों द्वारा आगजनी की जा रही

है, उनके विरुद्ध एनजीटी के दिशा-निर्देशानुसार कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा, विभाग की टीमों द्वारा किसानों को पराली में आग लगाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी जा रही है और पराली में आग न लगाने को लेकर जागरूक किया जा रहा है, क्योंकि इससे न केवल वातावरण प्रदूषित होता है, बल्कि भूमि में उपस्थित मित्र कीट व अन्य लाभदायक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जो कि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा, लोकेशन के आधार पर अब तक 19 किसानों के खिलाफ पराली में आग लगाने को लेकर 55 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। साथ ही पांच किसानों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है। टीमों द्वारा किसानों को पराली न जलाने को लेकर जागरूक किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। किसान कृषि यंत्रों द्वारा पराली का उचित प्रबंधन करके उसे खेत में ही मिला रहे हैं। इसके अलावा टीमों द्वारा भी खेतों में निगरानी रखी जा रही है, ताकि कोई किसान पराली में आगजनी न कर पाए।

राजस्थान के बहरोड़ में बस-ट्रॉली की भीषण टक्कर में तीन की मौत

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई, जिसमें एक चालक और दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 46 अन्य घायल हो गए घटना बुधवार सुबह की है। अधिकारियों ने बताया कि 46 घायल बस यात्रियों में से 17 की हालत गंभीर है और उन्हें जयपुर के एक अस्पताल में रेफर किया गया है।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि बस सवार अजमेर से

दिल्ली राधास्वामी सत्संग में भाग लेने जा रहे थे, तभी कोटपूतली के कंवरपुरा स्टैंड पर सुबह करीब पांच बजे यह दुर्घटना हुई।

कोटपूतली थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया, राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक स्लीपर बस अजमेर से दिल्ली जा रही थी, तभी कंवरपुरा स्टैंड के पास आगे जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी टक्कर हो गई। सभी घायलों को राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल सवारियों को जयपुर रेफर कर दिया गया।

सीएम मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने धान की खरीद प्रक्रिया का उठाया मुद्दा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राज्य में धान की निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। केंद्रीय गृह मंत्री के साथ फोन पर बातचीत के दौरान, भगवंत सिंह मान ने उन्हें खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने गृह मंत्री को बताया कि परिवहन लागत, भंडारण की कमी, हाइब्रिड किस्म की गुणवत्ता और शेलर मालिकों के घाटे जैसी समस्याओं का खरीद प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार से देश के व्यापक हित में इन समस्याओं का तत्काल समाधान निकालने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, आढ़तियों और मिल मालिक देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ की हड्डी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे किसान अनाज उगाते हैं जबकि आढ़तिया और मिल मालिक यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी खरीद, भंडारण और उठान सही तरीके से की जाए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस साल राज्य में 185 लाख मीट्रिक टन धान आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अनाज की निर्बाध खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किए

गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि मिलरों के कुछ मुद्दे जैसे धान का भंडारण, ड्रेनेज और परिवहन केंद्र सरकार से संबंधित हैं, जिसके कारण उठान प्रक्रिया धीमी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने पहले ही इन मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। उन्होंने कहा कि 23 अक्टूबर (बुधवार) को केंद्रीय गृह मंत्री के साथ नई दिल्ली में मिल मालिकों की बैठक होनी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को मिल मालिकों की जायज मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए ताकि खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से अंजाम दिया जा सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अनाज की निर्बाध खरीद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले मंडीकरण सीज़न के दौरान मिलिंग में देरी के कारण 120 लाख मीट्रिक टन स्टोरेज स्पेस अभी तक खाली नहीं हो पाया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र को इस जगह को खाली करने के लिए तेजी लानी चाहिए ताकि इस बार मिलिंग शुरू हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सुचारू व्यवस्था के लिए इन मुद्दों का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धान की कटाई के बाद गेहूं का सीज़न भी आने वाला है, इसलिए देश के व्यापक हित में इस मुद्दे का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार देश के अन्न उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एक अन्य मुद्दे पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को राज्य का ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) का बकाया हिस्सा तुरंत जारी करना चाहिए।

टीम इंडिया जरूर करेगी वापसी, पुणे टेस्ट से पहले भारतीय दिग्गज का बयान हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. सीरीज की शुरुआत बेंगलुरु टेस्ट के साथ हुई, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा. अब दूसरा टेस्ट पुणे में खेला जाएगा, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है. पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने माना है कि न्यूजीलैंड की टीम दूसरी टीमों से अलग है, मगर साथ ही उन्होंने भरोसा जताया है कि टीम इंडिया अगले टेस्ट में वापसी करेगी. न्यूजीलैंड के साथ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भले ही टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा हो. लेकिन, दूसरे मैच में वह हर हाल में जीत दर्ज कर वापसी करना चाहेगी.अब पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम बहुत स्ट्रॉन्ग है, लेकिन आप जानते हैं कि न्यूजीलैंड दूसरी टीमों की तरह नहीं है, वो एक अच्छे फाइटर हैं, वे हमेशा वापसी करते हैं. उनके पास एक अच्छी बॉलिंग लाइनअप है और उनके पास बेस्ट फील्डिंग वाली टीम है, लेकिन अब भारत को बहुत अलर्ट रहना होगा कि वे इसे कैसे मैनेज कर सकते हैं और यह बहुत अहम है. पूर्व क्रिकेटर मदन लाल का मानना है कि भले ही न्यूजीलैंड ने पहला मैच जीता हो, लेकिन उनपर टीम इंडिया को अगले मैच में वापसी ना करने देने का प्रेशर रहने वाला है.उन्होंने कहा, जब आप कोई गेम खेलते हो तो आपको इन सभी चीजों से गुजरना होता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप के निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाली तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की श्रृंखला से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी जिसमें हरमनप्रीत कौर की कप्तानी भी दांव पर लगी होगी। हरमनप्रीत के लिए यह श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल में संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी20 विश्व कप में उनकी कप्तानी की काफी आलोचना हुई थी, भले ही उन्होंने भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। भारत इस टूर्नामेंट में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। भारतीय टीम जहां टी20 विश्व कप की निराशा को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करने की कोशिश करेगी वहीं न्यूजीलैंड की टीम उससे प्रेरित होकर अपना विजय अभियान जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके खिताब जीता था। पैंतीस वर्षीय हरमनप्रीत की कप्तानी की हाल में काफी आलोचना हुई थी लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस पद पर बरकरार रखा गया है। अब उनके सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती है जिसमें उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो 12वीं की परीक्षा देने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। अनुभवी ऑलराउंडर आशा सोबना भी चोटिल होने के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेगी जबकि तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गई थी और इसलिए उन्हें इस श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

भारतीय टीम में तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर और प्रिया मिश्रा के रूप में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम की सफलता काफी हद तक शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। टी20 विश्व कप में यह जोड़ी टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन कर पाई थी और अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स को हमेशा की तरह मध्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उनकी जिम्मेदारी इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि भारत को रिचा घोष की कमी खलेगी जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का पासा पलटने की क्षमता रखती है। श्रृंखला के तीनों मैच यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इंटरनेशनल क्रश बनी एमिलिया खेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को हराकर पहली ट्रॉफी जीती. इस जीत के बाद एक कीवी खिलाड़ी अपनी खूबसूरती के लिए सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं, जिनका नाम है एमिलिया खेर. जी हां, ये वही ऑलरआउंडर खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कीवी टीम को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई.

न्यूजीलैंड की स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी एमिलिया खेर ने पूरे टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया. इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए चुना गया. इतना ही नहीं साउथ अफ्रीका के साथ खेले गए फाइनल मैच में भी एमिलिया ने पहले बल्ले से 43(38) रन बनाए और फिर अपने स्पेल के 4 ओवरों में 24 रन देकर 3 विकेट चटका लिए. अपने इस मैच विनिंग प्रदर्शन की बदौलत एलिमिया ने फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड भी जीता.

24 साल की एलिमिया ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखा सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. मगर, उनके खेल से ज्यादा इस वक्त उनकी खूबसूरती की चर्चा हो रही है. इंस्टाग्राम पर इस क्रिकेटर के 76 हजार से अधिक फॉलोवर्स हैं. वह अक्सर अपनी अचीवमेंट की फोटोज शेयर करती रहती हैं. 24 साल की एलिमिया केर एक क्रिकेट से रिश्ता रखने वाले परिवार से आती हैं. उनके दादा ब्रूस मरे ने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था. उनकी बहन जेस केर भी नेशनल टीम का हिस्सा हैं.

त्रिपुरा के खिलाफ रणजी मैच में नहीं खेलेंगे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के सीनियर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर निजी कारणों से त्रिपुरा के खिलाफ अगरतला में 26 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर के मैच में नहीं खेलेंगे। मुंबई क्रिकेट संघ ने बुधवार को पीटीआई को बताया कि अय्यर ने मुंबई की सीनियर चयन समिति से कुछ दिन का विश्राम देने की अपील की थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है। मुंबई ने अभी तक वर्तमान सत्र में जो तीन घरेलू मैच खेले हैं उन सभी में यह 29 वर्षीय बल्लेबाज टीम का हिस्सा था। इनमें शेष भारत के खिलाफ खेला गया ईरानी कप का मैच भी शामिल है जिसमें अय्यर ने 57 और आठ रन बनाए थे। अय्यर ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में 142 रन की पारी खेली थी जिससे मुंबई इस टूर्नामेंट में सत्र की पहली जीत दर्ज करने में सफल रहा था।

बिहार सरकार क्रिकेट स्टेडियम के विकास के लिए बीसीसीआइ के साथ समझौता करेगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार जल्द ही मोइन-उल-हक क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण और पुनर्विकास के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय मंगलवार को लिया गया। कैबिनेट सचिवालय के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि मंगलवार को कैबिनेट ने मोइन-उल-हक क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण और पुनर्विकास के लिए बीसीसीआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए राज्य खेल विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इससे यह स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बन जाएगा, जहां दिन-रात्रि मैचों के साथ-साथ अन्य खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समझौता ज्ञापन पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जाएंगे और इसके तुरंत बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा, जिसे 36 महीने में पूरा किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''निर्माण पूरा होने के बाद बीसीसीआई सात साल तक मैच और अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन करेगा...और उसके बाद लाभ राज्य सरकार के साथ पचास-पचास के आधार पर साझा किया जाएगा। बीसीसीआई के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करेंगे कि स्टेडियम देश के अन्य स्टेडियमों के बराबर अंतरराष्ट्रीय मानकों का हो। इसे पूरी तरह से नया रूप दिया जाएगा। नए क्रिकेट परिसर में मानक आकार के क्रिकेट मैदान शामिल होंगे। इसके अलावा, इसमें टेनिस, बास्केटबॉल, तैराकी...जिम और स्पा के समर्पित कोर्ट होंगे।'' एमओयू के अनुसार, इसके अलावा स्टेडियम में पांच सितारा का होटल और छह कॉर्पोरेट आतिथ्य बॉक्स होंगे। सिद्धार्थ ने कहा कि परियोजना की कुल लागत एमओयू में उल्लिखित होगी।

भारत में गोल्फ का भविष्य सुनहरा, लेकिन विकास की गति धीमी है : जॉय चक्रवर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में गोल्फ का विकास बहुत धीमी गति से हुआ है। टोक्यो ओलंपिक में अदिति अशोक के चौथे स्थान पर आने के बाद इसे थोड़ी लोकप्रियता मिली, लेकिन अभी तक यह प्रमुख खेल के तौर पर अपनी जगह नहीं बना पाया है। अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ संवाददाता जॉय चक्रवर्ती के अनुसार, इस खेल में भारत में बहुत अधिक संभावनाएं हैं। जॉय ने कहा, मैंने 1990 के दशक से भारत में गोल्फ को देखा है।इसका विकास जरूर हुआ है, लेकिन इसकी गति बहुत धीमी है। दुबई में पहला गोल्फ कोर्स 1988 में बनाया गया था और अब दुबई में इनकी संख्या 12 और यूएई में 20 हैं। बहुत से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक वहां आकर इस खेल का लुत्फ उठाते हैं। गोल्फ से पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और रोजगार भी बढ़ता है। अगर हम एक गोल्फ कोर्स की बात करें तो अनुमान है कि इसमें करीब 500 लोग काम करते हैं और क्रिकेट स्टेडियम के विपरीत इन लोगों के लिए यह साल भर का रोजगार है। भारत में इसके लिए काफी संभावनाएं हैं। जॉय दिल्ली गोल्फ क्लब लीग (डीजीसीएल) के चौथे संस्करण में शामिल हुए थे, जो 3 अक्टूबर को दिल्ली गोल्फ क्लब में शुरू हुआ।

पुणे टेस्ट खेलेंगे या नहीं ऋषभ पंत, कोच रेयान ने दिया फिटनेस पर अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोएशे ने स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया है। रेयान को उम्मीद है कि पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलेंगे और विकेटकीपिंग भी करेंगे। पंत को पहले टेस्ट में घुटने में चोट लगी थी। फिलहाल भारत तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे है, भारत को मेहमान टीम ने बेंगलुरु टेस्ट में 8 विकेट से हराया था। रेयान ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऋषभ पंत काफी अच्छा है। घुटने की वजह से थोड़ा असहज लग रहा था लेकिन अब ठीक है। उम्मीद है कि वह पुणे टेस्टे विकेटकीपिंग करेगा। बता दें कि, पंत बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन विकेटकीपिंग करते समय चोटिल हुए थे। रविंद्र जडेजा की गेंद उनके ऑपरेशन वाले घुटने पर लगी, जिसके बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने फिर मैच के दौरान अधिकतर हिस्से में विकेटकीपिंग नहीं की। हालांकि, 27 वर्षीय पंत बेंगलुरु में चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे और शानदार पारी खेली। उन्होंने 105 गेंदों में 9 चौकों और 5 छक्कों की बदौलत 99 रन बनाए। उन्होंने सरफराज खान के साथ चौथे विकेट के लिए 177 रनों की दमदार साझेदारी की। असिस्टेंट कोच ने बल्लेबाज शुभमन गिल को लेकर भी अपडेट दिया, जो पहले टेस्ट में गर्दन में जकड़न के कारण नहीं खेले। रेयान ने कहा कि गिल भी पुणे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि अगर उनकी टीम को जरूरत होगी तो वह संन्यास से वापस आकर आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ खेलने को तैयार हैं। इस 37 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद संन्यास की घोषणा की थी। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में 34 और 57 रन की पारी खेली थी। इस वामहस्त बल्लेबाज ने 'कोड स्पोर्ट्स' से कहा, ''मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूं, बस फोन उठाना बाकी है। मैं इस बारे में हमेशा गंभीर रहता हूं। ईमानदारी से कहूं तो फरवरी में मेरे आखिरी टेस्ट मैच के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले है, इसलिए मेरी तैयारी लगभग वैसी ही है।'' टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की

संभावना को मजबूत बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए पांच मैचों की यह श्रृंखला काफी अहम है। इसका आगाज 22 नवंबर से पर्थ में होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड में भाग लेकर कड़ी तैयारी कर रहे हैं। वार्नर को अपनी फिटनेस हासिल करने और चयनकर्ताओं को फिर से प्रभावित करने के लिए इस घरेलू प्रतियोगिता में कुछ मैच खेलने होंगे। उन्होंने कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो अगर उन्हें इस श्रृंखला के लिए वाकई मेरी जरूरत है, तो मुझे अगला शील्ड मैच खेलने को लेकर बहुत खुशी होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने सही कारणों से संन्यास लिया था। उन्हें अगर मेरी जरूरत है तो मैं तैयार हूं। मैं इससे पीछे नहीं हटने वाला हूं।'' ऑस्ट्रेलिया के सामने फिलहाल सलामी बल्लेबाजी की चुनौती है। हरफनमौला कैमरून ग्रीन के चोट के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद अनुभवी स्टीव स्मिथ फिर से मध्यक्रम में खेलेंगे। वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ ने नियमित सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ इस भूमिका को निभाई थी लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 के लिए नितीश कुमार रेड्डी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम अगले महीन ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। वहीं ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की दौड़ में हैं। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, अजीत अगरकर की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय चयन समिति उन्हें इस बार ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर देख रही है। बता दें कि, नितीश कुमार रेड्डी आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहे हैं। उन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए चुना गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के बाद पुणे में सीनियर चयन समिति की बैठक होने की उम्मीद है। भारतीय टीम के 10 नवंबर को पर्थ के लिए रवाना होने की उम्मीद भी है। ये लंबा दौरा होगा जिसमें भारतीय टीम नेट बॉलर्स समेत एक बड़े दल के साथ यात्रा करेगी। साथ ही चयनकर्ता शार्दुल ठाकुर को शामिल करने पर चर्चा करेंगे। शार्दुल ठाकुर ने 2022 में प्रसिद्ध गाबा टेस्ट में भारत की 3 विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। शार्दुल ठाकुर चोट से उबरकर लौट आए हैं। वह मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में मुंबई के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले सीजन में मुंबई को रणजी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। समझा जाता है कि नितीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर के बीच एक स्थान के लिए होड लगा सकती है। नितीश कुमार रेड्डी को भविष्य के ऑलराउंडर के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि उनमें क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भी खेलने की भी क्षमता है। 33 वर्षीय शार्दुल ठाकुर दिसंबर 2023 में पिछले साउथ अफ्रीका दौरे के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं।

राजमुकुट व राजसी वस्त्रों का परित्याग कर वन की ओर प्रस्थान करते हैं श्रीराम

श्रीराघव प्रयाग घाट पर किया जा रहा सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की ओर से 20 से 26 अक्टूबर 2024 तक श्रीरामकथा के विविध प्रसंगों की लीला प्रस्तुतियों पर एकाग्र सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन श्रीराघव प्रयाग घाट, नयागाँव चित्रकूट में किया जा रहा है। समारोह में लीला मण्डल रंगरेज कला संस्थान, उज्जैन के कलाकार प्रतिदिन शाम-7 बजे से श्रीरामकथा के प्रसंगों की प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इस अवसर पर "श्रीरामराजा सरकार" श्रीराम के छत्तीस गुणों का चित्र कथन प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। समारोह के तीसरे दिन मंगलवार को श्रीराम बारात, श्रीराम राज्य की घोषणा, कैकेयी-मंथरा संवाद, दशरथ-कैकेयी संवाद और श्रीराम वनगमन प्रसंगों को कलाकारों ने अपने भाव, अभिनय और संगीत कौशल के माध्यम से मंच पर जीवंत कर दिया। श्रीराम के राज्याभिषेक की घोषणा के बाद अयोध्या का हर घर खुशियों में सराबोर था। फिर एक रात्रि के अंधेरे ने अयोध्या को ऐसा घेरा कि पूरा नगर 14 वर्षों के लिए ईश्वर रूपी राजा के प्रेम से दूर हो गया। श्रीराम बने सुमित नागर ने अपने अभिनय कौशल अनुराग से इस दृश्य को ऐसे जिया कि दर्शकों के नेत्रों से अश्रुधारा बह निकली। श्रीराम के प्रेम के सरोवर में गोते लगा रहे श्रोताओं को ऐसा लगा जैसे सरयू की तरह आज मंदाकिनी के दुःख की भी कोई थाह नहीं है। रोम-रोम में बसने वाले श्रीराम की कथा के इस प्रसंग ने हर दर्शक के अंतर्मन को झंझोर दिया। प्रभू के प्रेम के अथाह सागर में खोई आत्मा बस प्रभु को स्मरण कर उन्हें ही पूकार रही थी। प्रभु श्रीराम ने राजमुकुट और राजसी वस्त्रों का परित्याग कर वन की ओर ऐसे सहज भाव से प्रस्थान किया कि देवों के अश्रु भी विरह के इस दृश्य में बह निकले।

श्रीरामलीला के शुरुआत श्रीराम बारात के दृश्य से होती है। इस विवाह की खुशियां अयोध्या से लेकर राजा जनक की मिथिला नगरी तक फैली हैं। इस बारात में दशरथ, अयोध्यावासी, ब्रह्म, शिव सहित सभी देवगण शामिल होते हैं। अगले प्रसंग में दिखाया गया कि श्रीराम के राज्याभिषेक की घोषणा होती है। ये बात मंथरा को पता चलती है तो वह क्रोध से भर जाती है। वह चाहती है कि राजगद्दी पर भरत ही बैठे। वह कैकेयी के पास जाकर उन्हें छिड़कते हुए कहती है, आपको लगता है कि महाराज आपको बहुत प्यार करते हैं, लेकिन उन्होंने सही समय देखकर राम को गद्दी देने का निश्चय कर लिया। आपका ह्दय भोला है, आपको लगता है महाराज आपके अधीन है। कैकयी मंथरा पर गुस्सा करते हुए कहती, दासी होकर तुम राजसी काम में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। मंथरा की बातों में आकर वे दशरथ के पास जाकर भरत को राजा बनाने और श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मांगती हैं। जब ये बात प्रभु श्रीराम को पता चलती है तो वे माता की आज्ञा का पालन करना सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। वे सीताजी को समझाते हुए कहते हैं, इस राज्य शासन के स्पर्श से भी अधिक मुझे कुछ ओर भी प्यारा है। दीन-हीन की पुकारों से मैं विचलित हूं। मुनियों और संतों की दुविधा का स्मरण आता है मुझे और इन सबके आगे राज्य शासन नहीं सुहाता है। निश्चित ही वन गमन के लाभ मुझे मानस पटल पर नजर आ रहे हैं, विपरित कर्तव्यों ने मन में द्वंद्वों के ज्वार उठा दिए हैं।

चंदे से फिर शुरू हुई थी रामलीला

ग्रुप के शिरिष राजपुरोहित बताते हैं, ग्रुप की शुरुआत 1986 में हुई थी। फंड के अभाव में 1992 में श्रीरामलीला का मंचन बंद करना पड़ा। 2012 में कुछ सदस्यों को गरबा का ऑफर मिला। उन्होंने रामलीला का सुझाव दिया तो उज्जैन के रहवासियों ने चंदा कर रामलीला शुरू कराई। तब से अभी तक इसके 125 से ज्यादा शो हो चुके हैं। पहले रामलीला 9 दिनों तक चलती थी। उत्सव में 24 अक्टूबर, 2024 को मिलाप, सीता हरण, जटायु मरण, शबरी प्रसंग, 25 अक्टूबर, 2024 को श्री राम-हनुमान मिलन, श्री राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध, हनुमान-रावण संवाद, लंका दहन एवं उत्सव के समापन दिवस 26 अक्टूबर, 2024 को सेतुबंध, रामेश्वरम स्थापना, रावण-अंगद संवाद, कुंभकरण, मेघनाथ एवं रावण मरण, श्री राम राज्याभिषेक प्रसंगों को मंचित किए जायेंगे।

विद्या भारती के राष्ट्रीय खेलकूद समारोह का शुभारंभ कल

तैयारियां पूरी, सतना पहुंचे खिलाड़ियों ने निकली ज्योति यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। विद्या भारती के तत्वावधान में 35वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह 24 अक्टूबर से सतना के सरस्वती विद्यापीठ प्रांगण उंटैली में आयोजित किया गया है। प्रतियोगिता में देश के 11 क्षेत्रों के 810 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। समारोह के पूर्व बुधवार को शहर में रामदरबार मंदिर से उंटैली तक ज्योति यात्रा निकाली गई।

विद्याभारती खेलकूद विभाग के राष्ट्रीय संयोजक मुखतेज सिंह बदेशा ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम की तैयारियों संबंधित जानकारी साझा की। इस दौरान अभा सहसंगठन मंत्री श्रीराम अरावकर पूर्वी उप्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र, संयोजक विजय यादव, सह संयोजक जाग्रत कपूर व प्राचार्य संतोष मणि शर्मा, श्याम लाल गुप्ता भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संयोजक बदेशा ने बताया कि विद्या भारती को 2007 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य इकाई की मान्यता प्राप्त हुई, जिसके बाद से यह संगठन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में सहभागिता कर रहा है। इस वर्ष विद्या भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पूरे देशभर से लगभग साढ़े तीन लाख छात्र-छात्राएं विद्यालय स्तर से ऊपर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों के बीच यह प्रतियोगिता एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

सतना में चयनित 810 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इस वर्ष पूरे भारत में 32 अलग-अलग स्थानों पर 44 खेल विद्यालयों की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होंगी। जिनमें एथलेटिक्स के साथ-साथ विभिन्न खेलों का समावेश होगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शारीरिक मानसिक और खेल कौशल के क्षेत्र में निखार देना है।

सतना में तैयारियां पूरी: आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारी सरस्वती आवासीय विद्यापीठ में पूरी कर ली गई हैं। खेल मैदान तथा ट्रैक दुरुस्त कर उसका परीक्षण कर लिया गया है। खिलाड़ी और उनके शिक्षक-प्रशिक्षक, निर्णायक- रेफरी सभी यहां पहुंच गए हैं। उनके आवास - भोजन का प्रबंध किया गया है।

उद्घाटन समारोह कल: समारोह का शुभारंभ गुरुवार को सुबह 11 बजे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य व विद्या भारती के सह संगठन मंत्री यतीन्द्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में होगा। आयोजन के विशिष्ट अतिथि सांसद गणेश सिंह होंगे।

रामदरबार से निकली ज्योति यात्रा: राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिता के पूर्व बुधवार को शहर में ज्योति यात्रा निकाली गई। सुभाष पार्क स्थित श्रीराम दरबार मंदिर से निकली कलश यात्रा उंटैली स्थित विद्यापीठ परिसर तक गई। यात्रा में कन्याएं सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं। ज्योति यात्रा में खिलाड़ी ,शिक्षक - प्रशिक्षक , निर्णायक ,आयोजक मंडल के सदस्यों समेत तमाम खेल प्रेमी भी शामिल हुए।

सीएम दौरे को लेकर कलेक्टर एवं एसपी ने किया चित्रकूट स्थल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के चित्रकूट भ्रमण के दृष्टिगत कलेक्टर अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने गत दिवस अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थलों का भ्रमण कर तैयारियो के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक गुप्ता ने अधिकारियों के साथ परिक्रमा पथ, कामतानाथ, मंदाकिनी घाट सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण कर तैयारी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ यादव के भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर जिला स्तरीय संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 31 हजार करोड़ के मिले प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के समापन पर मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कान्क्लेव की उपलब्धियों की जानकारी लेते हुए कहा कि रीवा का आयोजन सबसे सफल रहा। रीवा में कॉन्क्लेव के लिए सबसे शानदार व्यवस्थाएँ की गयी। रीवा में कान्क्लेव में 31 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव रीवा के औद्योगिक विकास के लिए क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इसमें भाग लेने के लिए पूरे प्रदेश से 4 हजार से अधिक उद्यमियों ने पंजीयन कराया। इसमें 10 राज्यों के निवेशकों ने भागीदारी की साथ ही 300 से अधिक वायरसेलर मीटिंग की गयी। कार्यक्रम में 150 से अधिक विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले सभी उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति तथा सकारात्मक वातावरण की प्रशंसा की है। मध्यप्रदेश में सिद्धार्थ इंफाटेक 12 हजार 800 करोड़ रूपये, ऋत्विक प्रोजेक्ट 4 हजार करोड़ रूपये, केजीएस सीमेंट 14 हजार करोड़ रूपये, पतंजलि ग्रुप एक हजार करोड़ रूपये, रामा ग्रुप 500 करोड़ रूपये, सोलर एएमसी सर्विस प्रा.लि. 400 करोड़ रूपये, बीपीसीएल पेट्रोकेमिकल 300 करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। साथ ही शारदा मिनरल्स ग्रुप 225 करोड़ रूपये, एस गोयंका ग्रुप में 200 करोड़ रूपये, शिव शिक्त कंस्ट्रक्शन कंपनी 175 करोड़ रूपये, आडानी ग्रुप ने सिंगरौली में 2528 करोड़ रूपये, जय प्रकाश पावर बेंचर 750 करोड़ रूपये, एनटीपीसी ने सोलर प्लांट के लिए 103 करोड़ रूपये, अल्ट्राटेक सीमेंट लि. मैहर में 3000 करोड़ रूपये तथा निसर्ग इस्पात सीधी में एक हजार करोड़ रूपये तथा अन्य उद्योगों में 2063 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इनसे लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पतंजलि ग्रुप उज्जैन में योग और आयुर्वेद का संस्थान बनाने जा रहा है। रीवा में पांचवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से विन्ध्य के विकास को नई दिशा मिलेगी। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सिंगरौली और कटनी में कन्टेनर डीपों बनाये जायेंगे। रीवा एवं सतना में नवीन औद्योगिक क्षेत्रों तथा सिंगरौली, सीधी, मऊगंज और मैहर में एमएसएमई विभाग के औद्योगिक क्षेत्र खोले जायेंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विन्ध्य क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा।

विन्ध्य में उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश का संयुक्त सोलर ग्रिप स्थापित किया जायेगा। इससे प्राप्त बिजली का दोनों प्रदेशों में आवश्यकता के अनुसार उपयोग होगा। रीवा में 10 मंजिला आईटी पार्क निर्माण का आज शिलान्यस किया गया है।

हत्या के आरोपी को उम्रकैद

कुल्हाड़ी से किया हमला, फिर पत्थर बांधकर कुएं में फेंक दी थी लाश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आपसी रंजिश पर अपने साथी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने और लाश कुएं में फेंक देने के आरोपी को सतना की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। अभियुक्त पर ढाई हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश सतना ने हत्या के आरोपी कामता डोहर पिता राम दयाल डोहर (59) निवासी ग्राम गोरा पोस्ट मेदनीपुर थाना सिविल लाइन जिला सतना को आईपीसी की धारा 302 , 201 के तहत दोषी करार दिया है।

अदालत ने अभियुक्त को सश्रम आजीवन कारावास व 2 हजार रुपए के अर्थदंड तथा धारा 201 के तहत 3 वर्ष के सश्रम कारावास व 5 सौ रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। मामले में राज्य की ओर से विशेष अभियोजन अधिकारी राहुल सिंह ने पैरवी की। प्रकरण की विवेचना टीआई योगेन्द्र सिंह परिहार तथा एसआई गोविंद तिवारी ने की।

अभियोजन प्रवक्ता के मुताबिक, 21 सितंबर 2023 की रात मृतक प्रेमलाल अहिरवार ,उसकी पत्नी रजुआ अहिरवार, बहन प्रेमवती, बहनोई रामाश्रय,और भांजा जगदीश तथा दीपक घर पर थे। तभी गांव का कामता डोहर आया और प्रेमलाल को काबर खेत तरफ अपने साथ चलने के लिए कहा। प्रेमलाल चलने लगा तो कामता ने कहा कि टार्च और कुल्हाड़ी भी साथ ले चलो। रात्रि लगभग साढ़े 11 बजे तक जब प्रेमलाल वापस नहीं आया तो पत्नी रजुआ उसे गांव में ढूंढने के बाद कामता के घर पहुंची।

कामता ने उसे यह कह कर लौटा दिया कि वह प्रेमलाल को घर के पास छोड़ गया था। लेकिन जब सुबह भी प्रेमलाल घर वापस नहीं पहुंचा तो लोग फिर कामता के पास पहुंचे। बार-बार जोर देकर पूछने पर कामता ने बताया कि उसने प्रेमलाल को कुल्हाड़ी मार दी है और पैर में पत्थर बांधकर उसे कुएं में फेंक आया है। परिजन कामता को साथ लेकर काबर खेत के कुएं के पास पहुंचे तो वहां खून फैला मिला। कुएं में प्रेमलाल का शव पड़ा था।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव प्रदेश के विकास का यज्ञ है: मुख्यमंत्री

रीवा व सतना जिलों में नए औद्योगिक विकास क्षेत्र बनेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रीवा के कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में प्रदेश की पाँचवी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने विन्ध्य के औद्योगिक विकास के लिए कई घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य में प्राकृतिक संसाधन, खनिज पदार्थ और उद्योगों के विकास के लिए सभी साधन उपलब्ध हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगों के विकास के लिए जिस सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया है उससे विन्ध्य में भारी मात्रा में निवेश होगा। रीवा में इस कार्यक्रम के लिए शानदार व्यवस्थाएं की गईं। यहाँ निवेश के लिए कई उद्योगपति इच्छुक हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव केवल एक कार्यक्रम नहीं है यह प्रदेश के औद्योगिक विकास का यज्ञ है। इसमें सरकार की नीतियों को अमली जामा पहनाने में प्रशासन की टीम ने बहुत शानदार काम किया है। हर विभाग ने बेहतर से बेहतर प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में दो दिन पहले ही एयरपोर्ट का शुभारंभ किया गया है। विन्ध्य के विकास को गति देने तथा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सिंगरौली और कटनी में कंटेनर डिपो बनाए जाएंगे। साथ ही निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आईएसडी कंटेनर तथा लॉजिस्टिक पार्क भी बनेंगे। रीवा और सतना में नए औद्योगिक क्षेत्र एवं सिंगरौली, मऊगंज और मैहर जिलों में एमएसएमई के नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। बैढ़न औद्योगिक केन्द्र में पानी की आपूर्ति के लिए 84 लाख रुपए की नई योजना मंजूर कर ली गई है। विन्ध्य में हेल्थ टूरिज्म का विकास करने के लिए कई प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी जिले के संजय दुबरी अभ्यारण्य में विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के सहयोग से होटल रिसार्ट आदि का विकास किया जाएगा। प्रदेश में बड़े उद्योगों की स्थापना के मामले में यदि नियमों में परिवर्तन की आवश्यकता होगी तो कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर उद्योगों को सहूलियत देंगे।

समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बाणसागर के पानी ने पूरे रीवा क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदली है। रीवा में विकास के अनेक कार्य हुए हैं। जिनमें सफेद शेर की वापसी, गुढ़ में 750 मेगावॉट का सौर प्लांट और रीवा को एयरपोर्ट की सुविधा के कार्य शामिल हैं। उन्होने कहा कि रीवा में औद्योगिक, हरित और पर्यटन की क्रांति से गरीबी ढूंढे नहीं मिलेगी। उन्होने कहा कि अब हम देश-विदेश के उद्योगपतियों से पूरे फक्र के साथ कह सकते हैं कि हमारे यहां उद्योग लगाने की संपूर्ण सुविधा विकसित हो चुकी है, हमारे यहां आईए और उद्योग लगाईए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में अभी 3 लाख एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई है। अब इसे 4 हजार करोड़ रूपये की लागत से अन्य सिंचाई योजनाओं के माध्यम से रीवा जिले की एक-एक इंच भूमि को सिंचित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा और विंध्य क्षेत्र को अनुपम सौगातों के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

मैहर कलेक्टर ने ली समय-सीमा प्रकरणों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष से बुधवार को कलेक्टर रानी बाटड़ की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं दूरभाष जनसुनवाई में प्राप्त लंबित शिकायतो सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए उपस्थित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री राधा सिंह के दौरे को लेकर प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के ग्रेडिंग माह सितंबर 2024 की नाट-अटेण्ड शिकायतों के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियो का 1 दिन के वेतन काटने के निर्देश दिए गए। बैठक में एसडीएम मैहर विकास सिंह, अमरपाटन आरती यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपति स्व. स्टार्ट रतन टाटा की रंगोली से बनाए, चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संभागीय मुख्यालय रीवा में पहली बार कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उद्योगपति स्व. स्टार्ट रतन टाटा का रंगोली से बनाए गए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने देश के विकास के लिए टाटा द्वारा किए गए प्रयासों को याद किया तथा उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व की सराहना की।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, नगरीय आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद रीवा संसदीय क्षेत्र जनार्दन मिश्रा, विधायक गुढ़ नागेंद्र सिंह, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, डॉ अजय सिंह, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर प्रतिभा पाल सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्री महामृत्युंजय की पूजा- अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण की मंगल कामना की

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के अवसर पर किला परिसर रीवा पहुंचकर भगवान श्री महामृत्युंजय की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती कर प्रदेशवासियों के कल्याण तथा प्रदेश के विकास की मंगल कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, नगरीय आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद रीवा संसदीय क्षेत्र जनार्दन मिश्रा, विधायक गुढ़ नागेंद्र सिंह, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, डॉ अजय सिंह ने भी भगवान श्री महामृत्युंजय की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एम एस सिकरवार, कलेक्टर प्रतिभा पाल सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

को-ऑपरेटिव सोसाइटी में उर्वरक घोटाला

किसान बोले- चेहरा देखकर दी जा रही खाद, हमें घंटों इंतजार करना पड़ रहा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के भरतकूप कोऑपरेटिव सोसाइटी में उर्वरक वितरण में गंभीर अव्यवस्था सामने आई है। किसानों का कहना है कि सोसाइटी के अध्यक्ष केवल जान-पहचान वाले किसानों को उर्वरक बांट रहे हैं, जिससे कई गांवों के किसान परेशान हैं। इस कारण किसानों में आक्रोश बढ़ रहा है।

वितरण में आई अनियमितताएं: किसानों का आरोप है कि अध्यक्ष अपने गांव के किसानों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अन्य किसानों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद उर्वरक नहीं मिल रहा। इससे अन्य गांवों के किसानों को बार-बार खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

अनदेखी और बहाने का आरोप: भरतकूप कोऑपरेटिव के अधिकारी जिला अधिकारी के सख्त निर्देशों के बावजूद उचित वितरण नहीं कर पा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें हर बार कहा जाता है कि उर्वरक खत्म हो गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।